उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 10 || अंकः50 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 05 जनवरी-2026

अंदर के पृष्ठ पर | सदाबहार अभिनेता धर्मेंद्र की फिल्म 'इक्कीस' की स्पेशल स्क्रीन संपन्न.! 7 | भीषड़ सर्दी में सर्व वैश्य समाज द्वारा जरूरतमंद नागरिकों को किया गया कंबल वितरण 8

वाराणसी नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप

बृजेश पाठक बोले- खेलों को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास

» बीपीएस न्यूज

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रविवार को 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, जनप्रतिनिधि, आयोजक और बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत?व में खेलों को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं ।उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल रूप से जुड़कर देशभर से आए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया है। सभी राज्यों के पुरुष और महिला वॉलीबॉल खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं और खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर के नजर आ रहे हैं ।डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में खेलों के बजट में वृद्धि के साथ-साथ खिलाड़ियों को हर स्तर पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

उन्होंने प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और आयोजकों का आभार व्यक्त किया ।एक अन्य सवाल के जवाब में बृजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रही है ।

कांग्रेस ने पांच राज्यों के लिए उम्मीदवार चयन समितियों का किया गठन, प्रियंका गांधी को असम की जिम्मेदारी

» बीपीएस न्यूज

गुवाहाटी। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी वाड्रा को आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए प्रत्याशी चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने शनिवार रात उन पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए चयन समितियों की घोषणा की, जहां इस साल के पहले छह महीनों में चुनाव होने वाले हैं।

पार्टी ने क्या कहा?

पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार, असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए चार सदस्यीय समितियां बनाई गई हैं। इनका मुख्य कार्य चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देना होगा। सांसद और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा असम समिति का नेतृत्व करेंगी। वहां कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों के साथ गठबंधन करके भाजपा को सत्ता से हटाने का प्रयास कर रही है। उनके साथ लोकसभा सांसद इमरान मसूद, सप्तगिरी शंकर उलाका और सिरिवेल्ला प्रसाद को असम समिति का सदस्य बनाया गया है ।अन्य राज्यों की बात करें तो वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री केरल के लिए चयन समिति के प्रमुख होंगे। वहीं, छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंह देव तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए समिति की अध्यक्षता करेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए वरिष्ठ नेता बी.के. हरिप्रसाद को चयन समिति का प्रमुख बनाया गया है। संबंधित राज्यों के प्रभारी महासचिव, प्रदेश अध्यक्ष और विधायक दल के नेता भी अपने-अपने राज्यों की समितियों के पदेन सदस्य होंगे ।असम की 126 सीटों वाली विधानसभा के लिए चुनाव इस साल मार्च-अप्रैल में होने की संभावना है। पिछले महीने कांग्रेस ने वाम दलों और कई क्षेत्रीय पार्टियों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के लिए एक साझा मंच तैयार किया था।

मंदिर में अराजक तत्वों ने तोड़ी शिव और राधा-कृष्ण की प्रतिमा, आक्रोशित ग्रामीणों ने जाम किया सड़क

» बीपीएस न्यूज

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के बीबीगंज चौकी अंतर्गत गोड़िला गांव में स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में शनिवार की रात अराजक तत्व ने मूर्ति विखंडित कर दिया। सुबह जब भक्त पूजा करने पहुंचे तो खंडित मूर्ति देख आक्रोशित हो उठे। ग्रामीणों ने मंदिर के बाहर सड़क जाम कर दिया ।सूचना पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान कोतवाली प्रभारी निरीक्षक के के सिंह के के समझाने बुझाने पर जाम आधे घंटे में समाप्त हो गया। फिलहाल पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार गोड़िला गांव के फाटक रेलवे क्रासिंग पर राधा-कृष्ण मंदिर है। जहां स्थापित भगवान शंकर और श्रीकृष्ण की मूर्ति को अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। रविवार की सुबह जब मंदिर के पुजारी हरिश्चंद्र बिंद और भक्त पूजा के लिए पहुंचे तो क्षतिग्रस्त मूर्ति देख दंग रह गए। यह सूचना देखते ही देखते पूरे गांव में फैल गया। मौके पर सैकड़ों ग्रामीण जुट गए। लोगों ने आरोपित की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। जाम सुबह दस बजे से साढ़े दस बजे तक चला। सूचना पर पहुंचे सीओ समेत कोतवाली प्रभारी ने समझा कर जाम समाप्त कराया। पुलिस ने क्षेत्र के शिवपुर ताखा पश्चिम गांव निवासी भगेलू चौहान को गिरफ्तार किया गया है।

टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के दो डिब्बों में लगी भीषण आग, एक की मौत, कई घायल

» बीपीएस न्यूज

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश में यालामंचिली के पास टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के दो डिब्बों में आग लग जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि उन्हें आग लगने की सूचना रात 12 बजकर 45 मिनट पर मिली। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि प्रभावित डिब्बों में से एक में 82 और दूसरे में 76 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से, बी-1 कोच में एक व्यक्ति मृत मिला।'' मृतक की पहचान चंद्रशेखर सुंदरम के रूप में की गई है। अधिकारी ने बताया कि क्षतिग्रस्त दोनों डिब्बों को ट्रेन से अलग कर दिया गया, जिसके बाद ट्रेन एर्नाकुलम की ओर रवाना हो गई।

प्रभावित डिब्बों के यात्रियों को उनके गंतव्यों तक भेजने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए दो फोरेंसिक टीम जांच कर रही हैं।

जिंदा मरीज को मृत घोषित करने वाले जूनियर डॉक्टर समेत तीन निलंबित, डिप्टी सीएम ने गठित की 3 सदस्यीय जांच कमेटी

लखनऊ। कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम) में जिंदा मरीज को मृत घोषित करने के मामले जूनियर डॉक्टर, स्टाफ नर्स और वार्ड आया को निलंबित कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देशानुसार हुई कार्रवाई अंतर्गत तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। कमेटी को तीन दिन में जांच पूरी करनी होगी ।जीएसवीएम में मेडिसिन विभाग

के वार्ड नंबर-12 के बेड संख्या-43 पर मृत के स्थान पर जीवित मरीज का पुलिस इन्फॉर्मेशन (पीआई) भेजे जाने का प्रकरण सामने आया है। उप मुख्यमंत्री ने प्रकरण को गंभीरता से लिया और उन्होंने कॉलेज के प्रधानाचार्य को कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रकरण की गंभीरता के मद्देनजर ड्यूटी पर तैनात जूनियर रेजिडेंट डॉ. हिमांशु मौर्या, नर्सिंग स्टाफ सनी सोनकर और वार्ड आया रहनुमा को निलंबित कर दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है। कमेटी का अध्यक्ष जीएसवीएम की उप प्रधानाचार्य डॉ. ऋचा गिरि को नामित किया गया है। तीन दिन के भीतर कमेटी को जांच कर रिपोर्ट सौंपनी होगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। इसे किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भविष्य में घटनाओं पर अंकुश लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

56 इंच का सीना है तो पाकिस्तान जाओ और 26/11..., वेनेजुएला का जिक्र कर ओवैसी ने दी पीएम मोदी को चुनौती

मुम्बई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को कथित तौर पर पकड़ने की कार्रवाई का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा सवाल उठाया। ओवैसी ने कहा कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी सेना भेजकर किसी दूसरे देश के राष्ट्रपति को पकड़ सकते हैं, तो भारत सरकार 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड्स को पाकिस्तान से क्यों नहीं ला सकती ।मुंबई में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा आज हमने देखा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेनाओं ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़कर अमेरिका ले गए। मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम लेते हुए सवाल किया कि जब अमेरिका और सऊदी अरब जैसे देश अपनी सैन्य ताकत इस्तेमाल कर सकते हैं।

अपनी बात....

संपादकीय .....

मौतें सबसे स्वच्छ शहर पर कलंक

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा?लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाहे-बगाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण' के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था। सवाल है कि जब नागरिकों को स्वच्छ हवा और जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रखा जाएगा तो जीवनयापन को सुगम कैसे बनाया जा सकता है? मध्य प्रदेश की दोहरे इंजन वाली सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है। कोई भी बड़ी योजना व नारा तब तक अर्थहीन है जब तक उन्हें जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई का समर्थन प्राप्त न हो। स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार अनुच्छेद-21 के तरह जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की त्रासदी दर्शाती है कि शहरी बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण इस अधिकार का उल्लंघन कितनी आसानी से हो सकता है। निष्कर्ष यह भी है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और शासन संबंधी नारे व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। व्यवस्था को ध्यान रखना होगा कि कहीं पेयजल आपूर्ति लाइन जर्जर होकर दूषित पानी से तो नहीं मिल रही है। पेयजल आपूर्ति करने वाली मुख्य पाइप लाइनों का नियमित रूप से अवलोकन होना चाहिए। इस बाबत मंत्रालय और निकाय के अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

आस्था कोई भी हो मगर इंसान अच्छा हो

विश्वनाथ सचदेव

यदि हिंदू हूं तो अच्छा हिंदू बनूं, मुसलमान हूं तो बेहतर मुसलमान बनूं, ईसाई हूं तो अच्छा ईसाई बनूं। और यह अच्छा होने का मतलब है अच्छा इंसान होना। अच्छा इंसान यानी वह जो अपनी आस्था में पूरा विश्वास रखने के बावजूद दूसरे की आस्था का भी सम्मान करें।

लगभग दो दशक पुरानी बात होगी। हमारे समय के एक महत्वपूर्ण संगीतकार खैयाम साहब के साथ कुछ समय बिताने का अवसर मिला था। दूरदर्शन पर एक कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग के बाद लौट रहे थे हम। उस कार्यक्रम में जो वे नहीं कह पाये थे, वही सब बता रहे थे वे। मेरी भूमिका तो सिर्फ श्रोता की थी। अचानक वह बोलते-बोलते रुक गये। कार की खिड़की से दायीं ओर देख रहे थे वे। उनके दोनों हाथ जुड़ गये थे। सिर झुक गया था उनका। मैंने देखा हमारी कार मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर के सामने से गुजर रही थी। 'आपके धर्म में तो मूर्तिपूजा मना है,' मैंने अनायास ही जैसे उनसे पूछ लिया। वे मुस्कुराये, 'आदत है,' उन्होंने कहा। और फिर इसके बाद हम हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर बात करने लग गये थे।

आज जब मैं यह लिख रहा हूं, अचानक मुझे खैयाम की यह बात याद आ गयी। इसके साथ ही एक और बात भी याद आ रही है। मेरी बेटी कान्वेंट स्कूल में पढ़ी हुई है। स्कूल छोड़े उसे दशकों बीत गये। पर अब भी जब वह अपने बचपन के स्कूल के सामने से गुजरती है तो अनायास उसके हाथ 'क्रॉस' बनाने की मुद्रा में हरकत करने लगते हैं। और अपनी बात करूंङ्क मंदिर, मस्जिद, चर्च या गुरुद्वारे के सामने से गुजरते हुए मेरा सर भी, जैसे अपने आप झुक जाता है। और मैं यह भी जानता हूं कि पूजाग?हों के प्रति यह रवैया सिर्फ खैयाम, मेरी बेटी, या मेरा ही नहीं हैङ्क हम जैसे न जाने कितने हैं जो ऐसा करते हैं। और यह सब अनायास हो जाता है। लेकिन कैसे?इस सवाल का जवाब तो यही है कि ऐसा करने के लिए किसी ने हमें कहा नहीं। मैंने अपनी बेटी से यह कभी नहीं कहा कि वह ऐसा किया करे। आप चाहें तो इसे संस्कारों का परिणाम कह सकते हैं। यह तो संभव है कि मैंने बेटी से कभी यह कहा हो कि सब धर्म समान होते हैं, पर मुझे याद नहीं पड़ता मैंने कभी उसे समान मानने के लिए भी कहा हो। कम से कम मेरी तरफ से ऐसा कोई दबाव बच्चों पर नहीं डाला गया। मेरे माता-पिता ने भी कभी ऐसा कोई दबाव हम भाई-बहनों पर नहीं डाला।

उस दिन सिद्धिविनायक मंदिर के सामने से गुजरते हुए खैयाम साहब का अनजाने में ही सिर झुकाना भी किसी दबाव का परिणाम नहीं था। उन्होंने बताया था कि वे न जाने कब से ऐसा करते आ रहे हैं, और यह भी

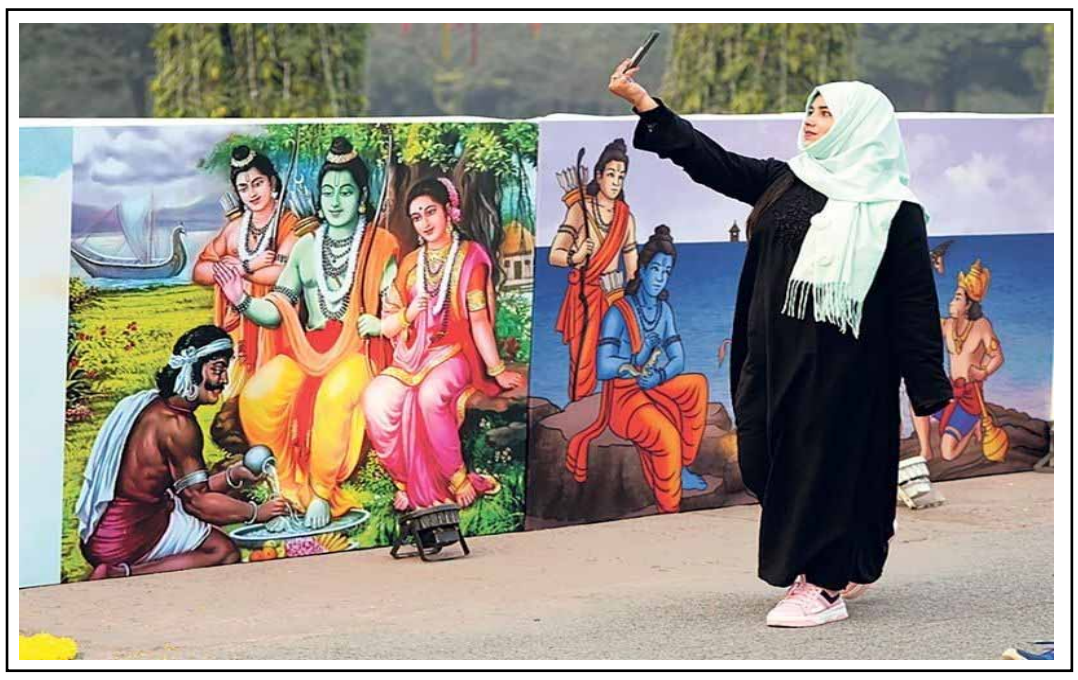

बताया था उन्होंने कि 'पूजाग?ह के सामने सिर झुकाता हूं तो ऐसा लगता है जैसे कोई आशीर्वाद का हाथ मेरे सिर पर धरा गया है।'सच है, आशीर्वाद का यह अहसास मंदिर, मस्जिद, चर्च, या गुरुद्वारा, सब देते हैं। और सब धर्मों का आदर करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। सर्व धर्म समभाव की संस्कृति है हमारी। हमारा धर्म, यानी हिंदू धर्म, हमें यह सिखाता है कि चाहे ईश्वर कहें या खुदा, गॉड कहें या एक ओंकार, अलग-अलग रास्ते हो सकते हैं, पर पहुंचते सभी एक ही जगह हैंङ्कपहुंचाते सभी एक ही जगह हैं हमें यह अलग-अलग रास्ते !जैन धर्म का एक सिद्धांत हैङ्क अनेकांत वाद। यह विचार हमें समझाता है कि मैं सही हूं, पर तुम भी सही हो सकते हो। इतनी-सी बात यदि हम समझ लेते हैं तो फिर कोई विवाद बचता ही नहीं है। ईश्वर एक है फिर मेरा ईश्वर तुम्हारे ईश्वर से भिन्न या बेहतर कैसे हो सकता है? बस इतनी-सी बात समझने की आवश्यकता है कि हमारा अलग-अलग धर्म का होना एक संयोग मात्र है। मैं किसी एक धर्म में विश्वास करने वाले परिवार में पैदा हुआ इसमें मेरा कोई योगदान नहीं है। मेरे माता-पिता हिंदू थे, इसलिए मैं भी हिंदू हो गया, वे मुसलमान होते तो मैं आरती की जगह नमाज़ पढ़ रहा होता। इस संदर्भ में मेरी कोई भूमिका हो सकती है तो वह यही है कि यदि हिंदू हूं तो अच्छा हिंदू बनूं, मुसलमान हूं तो बेहतर मुसलमान बनूं, ईसाई हूं तो अच्छा ईसाई बनूं। और यह अच्छा होने का मतलब है अच्छा इंसान होना। अच्छा इंसान यानी वह जो अपनी आस्था में पूरा विश्वास रखने के बावजूद दूसरे की आस्था का भी सम्मान करें !यहीं गड़बड़ हो रही है। हम अपनी आस्था की चिंता तो करते हैं पर दूसरे की आस्था को कुछ नहीं समझते। इसी का परिणाम है कि आज पंथ-निरपेक्षता में विश्वास करने वाले हमारे भारत में धर्म के नाम पर आये दिन झगड़े-फसाद होते रहते हैं। हमारा संविधान हर भारतीय को अपनी आस्था के अनुसार धार्मिक क्रिया-कलाप की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। यही नहीं, हमारा संविधान हमें अपनी आस्था अपने धर्म के प्रचार-प्रसार का भी अधिकार देता है। शर्त सिर्फ यह है कि कोई नागरिक अपने अधिकार की सीमाओं को न लांघे। ये सीमाएं भी परिभाषित हैं हमारे संविधान मेंङ्क सब नागरिक समान हैं, कोई नागरिक किसी दूसरे को अपने धर्म की ओर आकृष्ट करने के लिए किसी प्रकार का लालच अथवा दबाव काम में नहीं ले सकता। पर अक्सर हम अपनी सीमाओं का अतिक्रमण कर जाते हैंङ्कऔर इसके लिए दोषी दूसरे को ठहराते हैं। धर्म के नाम पर आज जो गड़बड़ियां हो रही हैं, वे इसी अतिक्रमण का परिणाम हैं।

ऐसे ही अतिक्रमण का उदाहरण इस बार क्रिसमस के अवसर पर दिखा। देश के अलग-अलग हिस्सों में चर्चों पर, ईसाइयों पर दुर्भाग्यपूर्ण प्रतिक्रिया हुई। दंगा करने वाले को यह भी स्वीकार नहीं था कि सांताक्लाज की टोपियां बेचकर कोई अपना पेट भरने के लिए कुछ कमा ले। हद तो यह भी हुई कि चर्चों के सामने जाकर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया! क्रिसमस के आयोजनों के संदर्भ में हुए विवाद और झगड़े हैरान भी करते हैं और दुखी भी। एक ओर तो हमारे प्रधानमंत्री क्रिसमस के अवसर पर चर्च में जाकर ईसाइयों की पूजा-अर्चना में भाग लेते हैं।

कैलाश विजयवर्गीय को सीधे-सीधे भाषा की तमीज़ का पाठ पढ़ा दिया

भाजपा के इर्द गिर्द पीडीए (पत्रकार, दलित और एड. अनिल मिश्रा) का चक्रव्यूह!

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

पुराने साल के बीतने और नए साल के आने के दरम्यान मध्यप्रदेश से एक बुरी ख़बर आई की सवर्णों के मुखर आवाज़ एडवोकेट अनिल मिश्रा को एसीएसटी एक्ट में गिरफ्तार करवा दिया गया जिस पर मध्य प्रदेश भाजपा के विरुद्ध सवर्ण समाज लामबंद हो रहा। दूसरी बुरी खबर यह कि देश के स्वच्छतम शहरों में शुमार राज्य की आर्थिक राजधानी इंदौर मोहन यादव के नेतृत्व में तबाह हो रही। जहाँ प्रदुषण अपने उच्चतम स्तर के पार और सूत्रों के मुताबिक भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी की वजह से फैले संक्रमण ने गंभीर रूप ले लिया है। सूत्रों के मुताबिक मुख्य जल आपूर्ति लाइन में लीकेज के कारण सीवरेज का पानी मिलने से सैकड़ों लोग उल्टी-दस्त के शिकार हो गए हैं। कम से कम 13 लोगों की तो जान ही जा चुकी है और कई अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। मध्यप्रदेश में लगातार भाजपा का शासन बना हुआ है जो अब वहां के लोगो के लिए आफत बनता नजर आ रहा।

इंदौर के सभी 9 विधायक भाजपा से हैं, सांसद भी भाजपा के हैं, महापौर भी भाजपा के हैं और सबसे बढ़कर शहरी विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी भाजपा से है और अब भाजपा के जनप्रतिनिधि, मीडिया को सवाल पूछने पर भड़क रहें। सवाल पूछने वाले पत्रकार से बदसलूकी कर कैलाश विजयवर्गीय घिरते दिखे।

अब मध्य प्रदेश भाजपा की किरकिरी हो रही है। इन सबका दोष अब सीएम मोहन यादव के मत्थे है जिन पर ब्राह्मण विरोधी होने का आरोप लगता रहा है ऐसे में भाजपा अब पीडीए के चक्रव्यूह में घिरती नजर आ रही और यह चक्रव्यूह अखिलेश यादव वाले पीडीए का नहीं अपितु पी फॉर पत्रकार, डी फॉर देवता अर्थात ब्राह्मण और ए फॉर एडवोकेट अनिल मिश्रा का है ।मामला यह है कि पहले यूपी के नव निर्मित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी नें ब्राह्मण विधायकों को लेकर रायता फैलाया और अब कैलाश विजयवर्गीय नें एनडीटीवी के पत्रकार अनुराग द्वारी द्वारा दूषित जल प्रकरण पर किए गए सवाल पर झल्लाते हुए कहा कि 'फोकट के प्रश्न मत पूछो। अनुराग इस पर भी नहीं रुके और उन्होंने प्रतिवाद किया, साथ ही कहा कि 'मैं वहां होकर आया हूं', तो विजयवर्गीय ने कहा कि 'क्या घंटा होकर आये हो। इस निम्नस्तरीय भाषा पर अनुराग द्वारी ने कैलाश विजयवर्गीय को सीधे-सीधे भाषा की तमीज़ का पाठ पढ़ा दिया और कहा कि वो अपना काम कर रहे हैं। मोदी-शाह के युग की कई गैर सवर्ण भाजपा नेताओं को यह खुशफ़हमी है कि वो सवर्ण विरोध करेंगे और उनसे सवाल नहीं किया जा सकता, या उनकी सरकार की खामियों पर टोका नहीं जा सकता। इससे पहले पूर्व सांसद स्मृति ईरानी ने अमेठी में एक पत्रकार को डपटते हुए कहा था कि मैं आपके मालिक से बात करूंगी। ये सीधे-सीधे पत्रकार को धमकी ही थी और इसमें जितनी ग़लती नेता की है, उतनी ही ग़लती उन मीडिया मालिकान की भी है, जो सत्ता से नजदीकी बढ़ाकर अपने लिए वित्तीय, सियासी या अन्य किस्मों के लाभ लेते हैं और बदले में आदर्शों को गिरवी रख देते हैं।

प.बंगाल में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी एक पत्रकार से कहा कि तुम बंगाल की चिंता करो, हमारी पार्टी की चिंता मत करो। जबकि उन पत्रकार ने केवल यही पूछा था कि 75 साल में मार्गदर्शक मंडल में भेजने का नियम अभी के नेताओं पर भी लागू होगा। उस पत्रकार ने इशारों में नरेन्द्र मोदी के रिटायरमेंट की बात छेड़ी थी, जिस पर अमित शाह बिफर पड़े। आजकल ब्राह्मणो का विरोध फेमस होने का एक मशहूर शगल बना हुआ है। पहली बात तो यह कि अपने ही शहर और क्षेत्र में काम ना करने और मोदी के नाम पर क़ाम गिनाने की बात सबको रट गई है। दूसरा यह कि कफ़ सिरप कांड में भी कई नेता फँसते दिख रहें जिनपर कार्यवाही नहीं हो रही। मासूमों की मौत हो गई और तब भी सरकार की तरफ से अफ़सोस और मुआवजे से आगे बात नहीं बढ़ पाती। मुखर बात यह कि भीम आर्मी, दलित आर्मी इत्यादि के नाम पर खुले आम वैमनस्था फैलाई जा रही।

माहौल बिगाड़ने की लगातार कोशिस हो रही जिसपर न्याय तंत्र और भाजपा चुप है जबकि ग़लत शब्द निकलने भर से गोली चल जाना आजकल आम बात हो गई है। किसी प्रकरण पर खेद प्रकट करना सरल है पर उसका हल ढूढ़ निराकरण करना सरकार की प्राथमिकता नहीं। यह तो ठीक है कि कैलाश विजयवर्गीय या अमित शाह या अन्य भाजपा नेता इस बात की गारंटी दे सकते हैं कि आईंदा किसी पत्रकार के सवाल पर बदसलूकी नहीं होगी किसी ब्राह्मण के साथ अन्याय नहीं होगा, किसी सवर्ण का अधिकार नहीं छिना जायेगा पर धरातल पर विपक्ष इस मौके को लपक कर अपनी राजनीति कर लेगा और आने वाले समय में यही सब मुद्दा भाजपा के गले की हड्डी बनेगा।

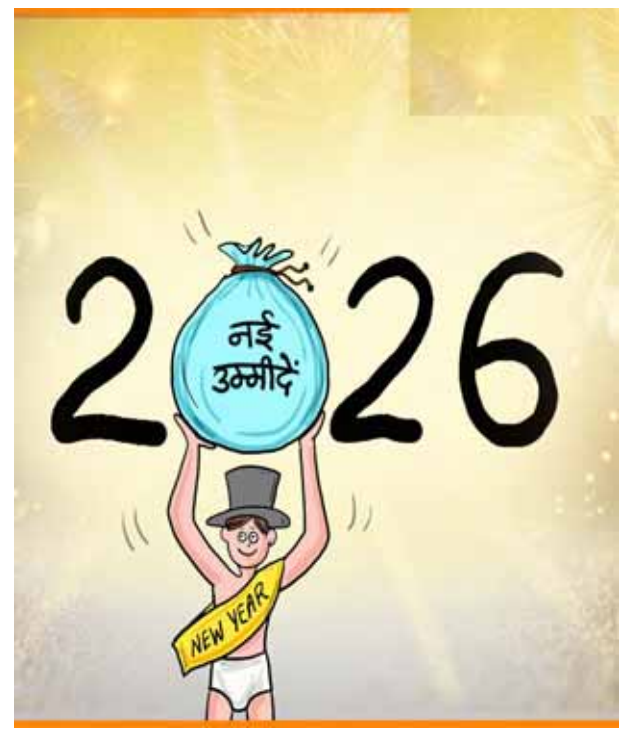

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

नयी शिक्षा नीति के समक्ष मौजूद कानूनी बाधाएं

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवा पीढ़ी की तकदीर बदलने की दिशा में बड़ा कदम है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों ने एनईपी के प्रावधानों को सबसे पहले अपनाया व शैक्षणिक ढांचे और पाठ्यक्रम में परिवर्तन किए। यह प्रमाण है कि अकादमिक स्वतंत्रता से सरकारी संस्थान भी नवाचार के केंद्र बन सकते हैं। बशर्ते कानूनी बाधाओं को दूर किया जाये।

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 केवल एक सरकारी दस्तावेज़ नहीं, बल्कि यह 21वीं सदी के बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की नई आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिबिंब है। 34 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आई यह नीति शिक्षा जगत में उस 'पैराडाइम शिफ्ट' की वकालत करती है, जिसका इंतज़ार भारत का युवा और बौद्धिक वर्ग दशकों से कर रहा था। यह नीति जहां एक ओर लचीलेपन, कौशल विकास और बहुविषयक दृष्टिकोण के माध्यम से भारत को 'विश्व गुरु' बनाने का स्वप्न देखती है, वहीं इसे जमीनी स्तर पर लागू करने की राह में कई सूक्ष्म प्रशासनिक और कानूनी जटिलताएं भी मौजूद हैं। इस नीति की वास्तविक सफलता और विफलता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी इसका 'कानूनी कार्यान्वयन' है। इस वैचारिक यात्रा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों ने प्रेरणादायक पहल की है।जब देश के कई राज्य और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय इस नीति के जटिल नियमों और बदलावों को समझने की जद्दोजहद में उलझे थे, तब कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने दूरदर्शिता का परिचय दिया। यह समझा कि कोई भी नीति तब तक सफल नहीं हो सकती जब तक उसे जमीनी वास्तविकता से न जोड़ा जाए। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश के उन अग्रणी संस्थानों में शामिल हुआ, जिसने एनईपी के प्रावधानों को सबसे पहले अपनाया व अपने शैक्षणिक ढांचे और पाठ्यक्रम में आमूलचूल परिवर्तन किए। परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय को एनईपी के सफल क्रियान्वयन के लिए 'प्लेटिनम अवार्ड' से नवाजा गया ।शिक्षा जगत में प्राय: एनईपी के शैक्षणिक लाभों जैसे रटने की प्रवृत्ति से मुक्ति और कौशल आधारित शिक्षा – पर व्यापक चर्चा होती है, लेकिन इसके 'कानूनी पेचों' पर खामोशी बरती जाती है। इन 'साइलेंट' समस्याओं को सुलझाए बिना नीति का पूर्ण लाभ मिलना दुष्कर है। सबसे बड़ी चुनौती 'संवैधानिक विरोधाभास' की है। संविधान के अनुसार शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है। जब केंद्र सरकार एक राष्ट्रीय नीति लागू करती है, तो राज्यों के अपने विश्वविद्यालय अधिनियमों के साथ उसका स्वाभाविक टकराव होता है। मसलन, एनईपी 'मल्टीपल एंट्री और एग्जिट' की सुविधा देती है। कानूनन, यदि एक छात्र एक राज्य के विश्वविद्यालय से एक वर्ष बाद सर्टिफिकेट लेकर निकलता है ?

कानपुर मोतीझील में सरस आजीविका मेला-2026 का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा किया गया

मेले में दिखी महिला उद्यमिता की सशक्त तस्वीर, 6 जनवरी तक चलेगा सरस मेला

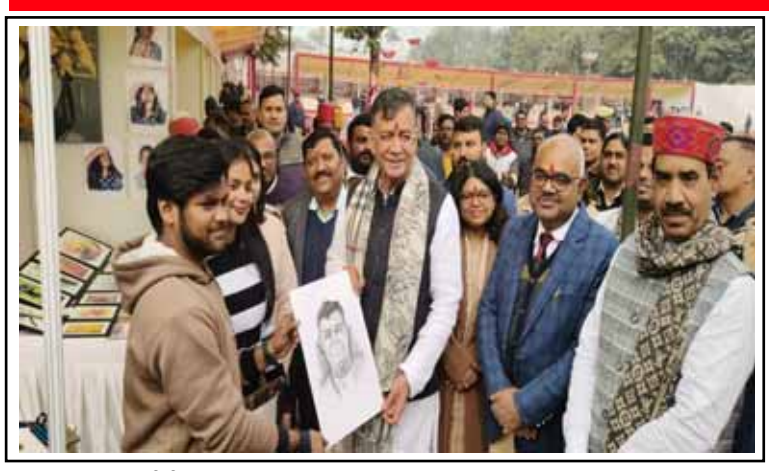

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रदेश सरकार की महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर बनाने की नीति को ज़मीनी स्तर पर उतारते हुए मोतीझील लॉन-2 में सरस आजीविका मेलाङ्क2026 का शुभारंभ किया गया। 6 जनवरी तक चलने वाले इस मेले का उद्घाटन उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह मेला ग्रामीण महिलाओं को सीधे बाजार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस अवसर पर माननीय सांसद रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पांडेय, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, विधायक नीलिमा कटियार, विधायक सुरेंद्र मैथानी, विधायक सरोज कुरील, विधायक मोहित सोनकर, एमएलसी सलिल बिश्नोई, सदस्य महिला आयोग पूनम द्विवेदी, अनीता गुप्ता, अध्यक्ष महिला कल्याण निगम कलावती सिंह, भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, अनिल दीक्षित, शिवराम सिंह, रघुनंदन भदौरिया, पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, सीडीओ दीक्षा जैन सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्ति तथा प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

मेला प्रतिदिन 11 बजे से शाम 8 बजे तक आमजन के लिए खुला रहेगा। कानपुर नगर से 29 तथा मंडल के अन्य पांच जनपदों से 31 स्टाल लगाए गए हैं। 60 स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अपने उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री कर रही हैं।

मेले में स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित सौंदर्य एवं सुगंध उत्पाद, पारंपरिक परिधान, हस्तशिल्प, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, सखी लेदर उत्पाद, जैविक पौध एवं कृषि उत्पाद, स्वच्छता समाधान, सरस स्वाद और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं।

मेले के शुभारंभ के दौरान विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि समरसता भारतीय सांस्कृतिक मूल स्वभाव है। इस तरह के आयोजनों से पारंपरिक खानङ्कपान, हस्तशिल्प और रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने में मदद मिलती है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं में आत्मविश्वास और अपनी पहचान बनाने की ललक दिखाई दे रही है ।वहीं, प्रभारी मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि स्वदेशी अपनाओ का मंत्र ही विकसित भारत की नींव है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर ही आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है ।इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयं सहायता समूहों को सम्मानित भी किया गया। इसमें जमदानी साड़ी एवं सूट उत्पाद से जुड़ी उज्जवला महिला स्वयं सहायता समूह की सीमा देवी, मसाला उत्पाद से संबंधित मां दुर्गा महिला स्वयं सहायता समूह की ऋतु, मिलेट्स उत्पादों से जुड़े आत्मनिर्भर स्वयं सहायता समूह की संगीता सिंह, बुटीक एवं गारमेंट क्षेत्र से किरण स्वयं सहायता समूह की आकांक्षा रजिया तथा घरेलू सजावटी हस्तशिल्प निर्माण से जुड़े मानसी स्वयं सहायता समूह की मीरा देवी शामिल रहीं।

ख़ास हैं ये समूह और इनके उत्पाद

कानपुर देहात की मानसी समूह की मीरा देवी के घरेलू सजावटी उत्पाद और वैष्णवी समूह की सुधा देवी के मसालों ने भी मेले में पहचान बनाई है। कन्नौज की गौरीशंकर समूह की तारावती द्वारा प्रस्तुत गुलाब जल व सुगंधित उत्पाद तथा पार्वती समूह की राधिका की फूलबत्ती को पुरस्कार मिल चुका है और इन स्टॉलों पर लगातार भीड़ देखी जा रही है। औरैया की विकास समूह की रीमा के सौंदर्य व सुगंधित उत्पाद तथा गंगा देवी समूह की मेनका के आंवला उत्पाद भी खास मांग में हैं। वहीं फर्रुखाबाद की जनहित समूह की मंजू के फिनायल-हैंडवॉश और जय भोले समूह की अल्का पाल की साड़ी-सूट व दुपट्टा भी पुरस्कार प्राप्त उत्पादों में शामिल हैं।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश पर मेले में महिलाओं को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

नए साल पर जनता को ग्रीन गिफ्ट, आज से फ्री खुलेगा बॉटनिकल गार्डन, गंगा किनारे पिकनिक का उठाएं लुत्फ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । नव वर्ष के पहले दिन गुरुवार को केडीए की ओर से गंगा बैराज स्थित बॉटनिकल गार्डन को आम जनमानस के लिए निशुल्क खोला जाएगा। यह उद्यान मनोरंजन के साथ-साथ पर्यटन और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। सुबह की सैर, पिकनिक की भी सुविधा मिलेगी।

केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल, सचिव अभय कुमार पांडेय ने बुधवार को मातहतों के साथ गार्डन का निरीक्षण कर विकास कार्यों की समीक्षा की। उपाध्यक्ष ने निर्देश दिए कि प्रथम चरण में पार्क के प्रवेश द्वार से बोट क्लब तक के क्षेत्र में लैंडस्केपिंग का कार्य पूर्ण कराकर उसे आम जनता के लिए खोला जाए। सुबह की सैर के लिए लगभग 500 मीटर लंबा पाथवे तैयार किया जाए। विकास के लिए 35 करोड़ रुपये स्वीकृत

पार्क में एक लॉन को पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करने के निर्देश भी दिए। गंगा नदी से सटा बॉटनिकल गार्डन करीब 49 एकड़ क्षेत्रफल में फैला है। यहां विभिन्न प्रजातियों के पेड़-पौधे और वनस्पतियां लगाने के लिए केडीए ने एनबीआरआई, लखनऊ के साथ एमओयू भी किया है। गार्डन के विकास के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है। शासन ने इसके विकास के लिए 35 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा कार्यालय में की गई जन-सुनवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा कार्यालय में जन-सुनवाई की गई। जन-सुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनी गईं तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समयबद्ध व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें ।शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विलंब किसी भी स्थिति में न हो और प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान से अवगत कराया जाए ।जन-सुनवाई में आए प्रत्येक आगंतुक से सम्मानजनक व्यवहार करने, उन्हें बैठने हेतु उचित व्यवस्था देने एवं उनकी समस्याएं धैर्यपूर्वक सुनने पर विशेष जोर दिया गया। स्थानीय स्तर पर बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल ने थाना फजलगंज का किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कानपुर। पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल श्रवण कुमार सिंह द्वारा थाना फजलगंज का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय, मालखाना, शस्त्रागार, हवालात, अभिलेखों एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया गया ।निरीक्षण के समय पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल द्वारा थाना कार्यालय में रखे अभिलेखों, रजिस्टरों एवं अभिलेखीय कार्यों की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने थाने की साफ-सफाई, अभिलेखों के अद्यतन, जनसुनवाई की गुणवत्ता, महिला हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली, महिला शिकायतों के त्वरित व संवेदनशील निस्तारण तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने हेतु संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया।

टैक्सी बस और ट्रकों में ट्रैकिंग डिवाइस लगाना हुआ अनिवार्य, पुराने वाहनों को एक अप्रैल तक की मोहलत

कानपुर ।अब टैक्सी, बस और ट्रकों में ट्रैकिंग डिवाइस और पैनिक बटन अनिवार्य कर दिया गया है। परिवहन विभाग कमांड सेंटर के जरिए वाहनों की लाइव लोकेशन ट्रैक करेगा ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कानपुर में यात्रियों की सुरक्षा और वाहनों की निगरानी के उद्देश्य से शासन ने एक जनवरी से टैक्सी, यात्री वाहन, परमिट से जुड़ी बसों और तीन टन से अधिक भार ढोने वाले ट्रकों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) अनिवार्य कर दिया है।

ओला-उबर से जुड़े टैक्सी वाहनों पर भी यह नियम लागू होगा, हालांकि दोपहिया, ई-रिक्शा और तिपहिया वाहन इससे बाहर रखे गए हैं। जिले में बस, मोटर कैब, मैक्सी कैब के 11,627 वाहन स्वामियों को अपने वाहनों में यह ट्रैकिंग सिस्टम लगवाना होगा। इसके साथ ही नेशनल और प्रदेश परमिट वाले भारी वाहनों और हैजर्डस गुड्स ढोने वाले ट्रकों में भी वीएलटीडी अनिवार्य कर दिया गया है। नए पंजीकृत होने वाले वाहनों पर यह नियम तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कोचिंग के बच्चों को किया गया जागरूक

» बाल विवाह कहीं भी होता दिखे, तो 1098 पर करें शिकायत

» बालिकाओं को सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन श्री राम एकेडमी करैही कोचिंग सेंटर, ज्ञान ज्योति कोचिंग बर्रा कानपुर नगर में महिला कल्याण विभाग हब के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि यदि आपके आसपास कोई भी 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह होता है व 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह होता है। तो वह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। यदि ऐसा आपके आसपास हो रहा है। तो आप 1098 पर सूचित करें साथ ही बालिकाओं को सरकारी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, महिला हेल्पलाइन नंबर, वन स्टॉप सेंटर आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

पीडीए प्रहरी सम्मेलन का आयोजन कैंट विधायक द्वारा संपन्न

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पी0डी0ए0 प्रहरी का सम्मेलन का आयोजन स्थानीय लक्ष्मी गेस्ट हाउस केडीए कॉलोनी जाजमऊ मे सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि पूर्व संसद राजराम पाल वा संचालन विधायक मो हसन रूमी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि राजा रामपाल सभी बीएलए को संबोधित करते हुए अपने बयान में कहा कि एसआईआर कि प्रक्रिया का प्रथम चरण 06 जनवरी को सम्पन्न हो जाएगा। प्रत्येक BLA कि ज़िम्मेदारी है कि अपने बूथ के मतदाताओ को गणना प्रपत्र मे जाकर चिन्हित करे जिससे जो कागज़ मांगे जाए संबन्धित मतदाता के कागजो को जमा करा कर अंतिम मतदाता सूची से पहले उसकी सभी औपचारिकताएँ पूरी करने मे सहयोग करे वर्तमान सरकार ने जिस प्रकार से एसआईआरको थोप कर 2 करोड़ 89 लाख मतदाताओ को वोटर लिस्ट से बाहर किया इससे यह प्रतीत होता है कि चरो तरफ से घिरी सरकार स्ङ्क्र को अपना हथियार बना के समाजवादी पार्टी के पीडीए प्रहरीयो से लड़ना चाहती है।

लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आदेश से पीडीए प्रहरीयो कि सक्रियिता से ये संभव नहीं है। सभी पीडीए प्रहरीयो को अपने अपने बूथ पर पीडीए के वोटरो को सुरक्षा करने का निर्देश दिया है। वही विधायक मो हसन रूमी ने अपने संबोधन मे कहा जिस प्रकार राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर बीएलए एकजुट होकर एसआईआर कि इलेक्शन कमीशन द्वारा आकस्मिक एसआईआर को थोपे जाने कि बाद से पीएड कि एकजुटता से घबराई बीजेपी ने तारीख पे तारीख देने का सिलसिला ज़रूर शुरू किया प्रन्तु पीडीए प्रहरीयो कि पहरे के आगे भारतीय जनता पार्टी के लोग अपने मंसूबो पर अभी तक कामयाब नहीं हुए लेकिन जुमलेबाज़ों कि सरकार से सभी पीडीए के प्रहरीयो को एकजुट होकर फॉर्म नंबर 06 जो दूसरा चरण स्ङ्क्रका है उसको भर के जो वोटर के नाम कट गए है जो नए वोटर जो 01 जनवरी 2026 को 18 साल के पूरे हो रहे है।

अपना फॉर्म भरे पीडीए प्रहरी अपने अपने बूथो पर उनका सहयोग कर के जो वोटर लिस्ट से बाहर हो गए लोग है उनकी भरपाई नए वोटरो से पूरी करे कार्यक्रम का संचालन निशांत मालिक ने किया मुख्य रूप से हाजी कामरान, मो फुरकान, मो जीशान (रूशी),

अकिल शानू (पार्षद), मो मेराज (पार्षद), नफीस अहमद (पार्षद), फखर इकबाल (पार्षद), अर्पित यादव (पार्षद), आलोक यादव (पार्षद) लाल जी यादव, अशरफ बाबू, सरवर खाँ (पूर्व छावनी विधानसभा अध्यक्ष) डॉ0 समीर (पूर्व पार्षद) फरूख निजामी (बब्बू), श्री चंद तिवारी जी, राजन कनौजिया, सुनील तिवारी, अनिल जयसवाल, नदीम सिद्दीकी, इदरिस मंसूरी, जावेद जमील, दीपा यादव, सरिता मिश्रा, राहुल कनौजिया, राज कुमार यादव, अभिषेक रावत, बंटी यादव, चंदु, राफिया, शब्बू भाई, अजहर नबी, मो0 दानिश, शाबान अली, मो इकराम अंसारी, चाँद मियाँ, केपी यादव, हमज़ा अंसारी, दानिश अख्तर, जिब्रान उस्मानी, अयान खान, मो तंजीम अंसारी, इमरान, छोटा सलीम, छोटा गोलु, जीशान, फैसल, शुभम, सद्दाम, शादाब, आदि मौजूद रहे।

प्रेस के तार से गला कसा... नृशंसता से की पूर्व प्रधान की पत्नी की हत्या; मकान में अकेली रहती थी सावित्री

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । यूपी के हरदोई जिले में प्रेस के तार से गला कसकर पूर्व प्रधान की पत्नी की हत्या का मामला सामने आया है। महिला घर में अकेली रहती थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के बेहटा गोकुल थाना इलाके के बलेहरा गांव में पूर्व प्रधान की पत्नी की प्रेस के तार से गला कसकर हत्या कर दी गई। वह गांव के घर में अकेली रहती थीं। मंगलवार को दिन भर नजर न आने पर पड़ोसी ने लखनऊ में रहने वाले बेटे को फोन किया था। देर रात बेटे के घर पहुंचने पर घटना का पता चला। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बुधवार को घटनास्थल का जायजा लेकर परिजनों से जानकारी ली। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस की दो टीमें बनाई गई हैं। बलेहरा निवासी सावित्री (60) के पति रनवीर सिंह का निधन हो चुका है। वर्ष 1995 में वह ग्राम प्रधान चुने गए थे। सावित्री का पुत्र अतुल परिवार के साथ लखनऊ जनपद के रहीमाबाद थाना क्षेत्र के महदोइया गांव में रहता है। अतुल ने बताया कि गांव में उनके मकान के पड़ोस में दरवेश सिंह रहते हैं। दरवेश ने फोन कर मंगलवार शाम बताया कि सावित्री देवी आज दिन भर नजर नहीं आईं और दरवाजे खुले पड़े हैं। इस पर अतुल देर रात गांव आए। मकान के अंदर जाने पर देखा तो चारपाई पर सावित्री का शव पड़ा हुआ था। उनके गले में प्रेस का तार कसा हुआ था ।सकी जानकारी अतुल ने यूपी 112 पर दी। पता चलने पर पहले थानाध्यक्ष धर्मेंद्र गिरि और फिर सीओ हरपालपुर सतेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। फील्ड यूनिट ने मौके से जरूरी नमूने जुटाए। एसपी एके मीणा ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद बताया कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

खुलासा करने के लिए दो टीमें लगाई गई हैं। दावा किया कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा ।घटना को लेकर अलग-अलग चर्चाएं बलेहरा निवासी रनवीर सिंह ने दो शादियां की थीं। सावित्री उनकी पहली पत्नी थीं। सावित्री से एक पुत्र आदित्य है। दूसरी पत्नी मीनू हैं। मीनू से तीन पुत्र और एक विवाहित पुत्री है। सावित्री का मायका लखनऊ जनपद के रहीमाबाद थाना क्षेत्र के महदोइया में है। मायके से लगभग 22 बीघा भूमि सावित्री को मिली थी। रनवीर के निधन के बाद से सावित्री गांव में अकेली रहती थीं। उनका पुत्र आदित्य सौतेली मां मीनू और उनके बच्चों के साथ ननिहाल महदोइया में रहते हैं। ग्रामीण संपत्ति विवाद की बात से इन्कार कर रहे हैं लेकिन चोरी की

अखरी व रायपुर नरवल में एसडीएम ने परखी पेयजल आपूर्ति व्यवस्था

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति की जमीनी स्थिति का जायजा लेने के लिए एसडीएम नर्वल विवेक मिश्रा ने ग्राम अखरी एवं ग्राम रायपुर नरवल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जल जीवन मिशन की टीम भी मौके पर मौजूद रही। एसडीएम ने दोनों गांवों में जलापूर्ति व्यवस्था की वास्तविक स्थिति की जांच की और ग्रामीणों से सीधे संवाद किया।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पानी की आपूर्ति हो रही है, हालांकि आपूर्ति का समय तय किए जाने और ऊंचे क्षेत्रों में पानी का दबाव कम रहने की समस्या सामने आई। कुछ स्थानों पर पाइपलाइन में टूट-फूट की जानकारी भी दी गई। इस पर एसडीएम ने संबंधित जल निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलापूर्ति की टाइमिंग सुनिश्चित की जाए, हाई एरिया में फ्लो बनाए रखा जाए और जहां भी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त है, वहां तत्काल मरम्मत कराई जाए। शिकायतों के त्वरित निस्तारण और व्यवस्था की निरंतर मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए गए।

एसडीएम विवेक मिश्रा ने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रत्येक घर तक निर्धारित समय के अनुसार पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीणों को पेयजल का सही उपयोग करने, अनावश्यक जल अपव्यय से बचने और जल संचय के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के बाद संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

माघ मेला-2026 की तैयारियों पर डीएम सख्त,नालों से लेकर टेनरी तक कड़ी निगरानी के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रयागराज में आयोजित होने वाले माघ मेला-2026 के दृष्टिगत जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में गठित जिला स्तरीय समिति के सदस्यों, स्टेकहोल्डरों और विभिन्न एसोसिएशनों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता, सीवेज प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने अपर नगर आयुक्त नगर निगम को निर्देशित किया कि माघ मेला-2026 के दृष्टिगत अनटैप्ड नालों में बायोरेमिडियेशन एवं फाइटोरेमिडियेशन कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कराया जाए। इसके साथ ही टैनरी पम्पिंग स्टेशन, कॉमन सीवेज पम्पिंग स्टेशन (सीएसपीएस) तथा सभी संचालित एसटीपी में स्थापित स्लज गेट (बाईपास गेट) की भौतिक जांच सुनिश्चित की जाए। घाटों के किनारे कूड़ा फेंकने पर प्रभावी रोक लगाने के लिए गार्बेज डिस्पोजल की व्यवस्था, नियमित साफ-सफाई तथा घाटों पर अस्थायी यूरिनल स्थापित कर सफाई कर्मियों की ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जल निगम शहरी के सहायक अभियंता को निर्देशित किया गया कि माघ मेला-2026 से पूर्व सतर्कता के दृष्टिगत सभी स्लज गेट आवश्यकतानुसार बंद अथवा सील किए जाएं। इनकी निरंतर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर उनकी नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए।बंदी रोस्टर के अनुपालन को लेकर जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में आठ टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें बंदी से एक दिन पूर्व रात्रि 12 बजे से 2 बजे के मध्य अपने-अपने क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगी और निरीक्षण आख्या प्रदूषण नियंत्रण विभाग को उपलब्ध कराएंगी। बंदी रोस्टर अवधि के दौरान प्रत्येक टीम द्वारा मुख्य स्नान से पूर्व निरीक्षण अनिवार्य रूप से किए जाएंगे। साथ ही बंदी अवधि में बंद टेनरियों के गेट प्रदूषण नियंत्रण विभाग द्वारा विशेष निगरानी किए जाने के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन एवं एनजीटी के निर्देशों के क्रम में यदि किसी टेनरी, उद्योग अथवा संबंधित संस्थान द्वारा आदेशों का उल्लंघन पाया गया तो कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। इस स्थिति में संबंधित क्षेत्र की निरीक्षण टीम की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी।

माघ मेला-2026 के दौरान बंदी सुनिश्चित कराने के लिए रोस्टर के अनुसार पौष पूर्णिमा पर 31 दिसंबर 2025 से 3 जनवरी 2026, मकर संक्रांति पर 12 से 15 जनवरी 2026, मौनी अमावस्या पर 15 से 18 जनवरी 2026, बसंत पंचमी पर 20 से 23 जनवरी 2026, माघी पूर्णिमा पर 29 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तथा महाशिवरात्रि पर 12 से 15 फरवरी 2026 तक चार-चार दिनों की बंदी रहेगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, अपर नगर आयुक्त मो. अवेश खान, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कानपुर व्यापारियों ने बांग्लादेश के खिलाफ किया प्रदर्शन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय बाजपेई नेतृत्व में नौबस्ता गल्ला मंडी में बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रदर्शन किया गया। तथा जुलूस निकालकर बांग्लादेश का प्रतीकात्मक पुतला फूका गया।

इस दौरान ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि बांग्लादेश में यूनुस मोहम्मद सरकार के संरक्षण में हिन्दुओं पर भीषण अत्याचार हो रहा है। साथ ही हिन्दुओं की नृशंस हत्या की जा रही। इस वजह से भारत में बांग्लादेश के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। वहीं अजय वाजपेयी ने कहा कि भारत देश के नागरिक व व्यापारी समाज सभी वर्ग के लोग बांग्लादेश में हिंदू के खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ एक साथ खड़े हैं और बांग्लादेश का विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन करने वालों में प्रमुख रूप से जिला वरिष्ठ महामंत्री गोपाल शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज द्विवेदी, सत्यप्रकाश गुप्ता, रजत गुप्ता, श्याम गुप्ता, राजू गुप्ता, रोहित गुप्ता, गोपाल वर्मा, आशुतोष गुप्ता, अनुज त्रिपाठी, अंकित गुप्ता आदि थे।

20 एमएलडी सीईटीपी की धीमी रफ्तार पर डीएम हुवे नाराज़, नोटिस व जुर्माने के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जाजमऊ में निर्माणाधीन 20 एमएलडी कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की प्रगति का जायजा लेने पहुंचे जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यदायी संस्था वीए टेक वबाग द्वारा कराए जा रहे पाइपलाइन और सीवर निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण में कार्य की रफ्तार अत्यंत धीमी और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण न होने और गुणवत्ता में सुधार न होने की स्थिति में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इसके बाद जिलाधिकारी ने जाजमऊ स्थित पीएसङ्घप्रथम का निरीक्षण किया, जहां वीए टेक वबाग द्वारा कराए गए कार्यों की गुणवत्ता असंतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के दौरान स्लज प्रबंधन व्यवस्था की भी समीक्षा की गई, जिसमें मौके पर हेजार्डस स्लज वेस्ट का समुचित प्रबंधन नहीं पाया गया। पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप स्लज उठान सुनिश्चित न होने को गंभीर लापरवाही मानते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित संस्था के विरुद्ध नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान में माघ मेला के दृष्टिगत टैनरियां बंद हैं, ऐसे में इस अवधि का उपयोग करते हुए सीईटीपी से जुड़ी तकनीकी, संरचनात्मक और संचालन संबंधी सभी कमियों को तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि स्लज प्रबंधन सहित सभी कार्य निर्धारित प्रोटोकॉल और पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप ही किए जाएं।जिलाधिकारी ने जेटेटा के सचिव को निर्देशित किया कि अब तक कराए गए संतोषजनक कार्यों और खराब गुणवत्ता वाले कार्यों का पृथक-पृथक, स्पष्ट और तथ्यात्मक विवरण तैयार कर शासन को भेजा जाए, जिससे उच्च स्तर पर कार्यों की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया जा सके। साथ ही सीईटीपी के संचालन में आ रही तकनीकी बाधाओं, प्रशासनिक अड़चनों और अन्य समस्याओं का विस्तृत विवरण शासन को पत्र के माध्यम से भेजने के निर्देश भी दिए गए।निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि वीए टेक वबाग द्वारा डाली जा रही पाइपलाइन के कारण कई स्थानों पर सड़कें खुदी हुई हैं, जिससे आमजन को आवागमन में कठिनाई हो रही है। इस पर जिलाधिकारी ने कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने, खुदे गड्ढों को तत्काल भरने, सुरक्षा बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने और जन असुविधा के लिए समुचित जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय संबंधित विभागों के अधिकारी तथा जेटेटा के सचिव उपस्थित रहे।

नकली दवाओं और मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के लिए चलाएं अभियान: डीएम कानपुर

» अभियान चलाकर मिलावटखोरों के खिलाफ करें कठोर कार्रवाई, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

» ड्रग विभाग को स्पष्ट निर्देश: नकली दवाओं के निर्माण और विक्रय पर बनाएं पैनी नजर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नकली दवाओं और मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई पर विशेष जोर दिया गया।जिलाधिकारी ने ड्रग विभाग को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि नकली दवाओं के निर्माण और विक्रय पर पैनी निगरानी रखी जाए। जनहित सर्वोपरि रखते हुए दवाओं के दुरुपयोग को रोका जाए और जनस्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता न हो। खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थों के निर्माण और विक्रय के खिलाफ प्रभावी एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन के स्वास्थ्य की रक्षा खाद्य सुरक्षा विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

बैठक में विभागीय समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में खाद्य सचल प्रयोगशाला 'फूड सेफ्टी ऑन व्हील' के माध्यम से जनपद में खाद्य पदार्थों के कुल 5250 नमूनों की जांच की गई, जिनमें से 192 नमूने मानक के विपरीत पाए गए। इसके अतिरिक्त भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के 'ईट राइट चैलेंज' कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक जनपद के 409 प्रतिष्ठानों को हाइजीन रेटिंग का प्रमाणीकरण प्रदान किया जा चुका है।

बैठक के दौरान ड्रग विभाग के अधिकारी के कार्यप्रदर्शन पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि अपने सूत्र मजबूत किए जाएं और जनपद में नकली व मिलावटी दवाओं के कारोबार में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की जाए।जिलाधिकारी ने समस्त खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापार मंडलों के साथ प्रत्येक माह कम से कम एक बैठक करें और खाद्य सुरक्षा नियमों, मिलावट के दुष्परिणामों तथा वैधानिक प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाएं। इसके साथ ही होटल और रेस्टोरेंट में स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने तथा समय-समय पर उन्हें जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने समस्त खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को अपने क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर मिलावटखोरों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नकली पैकेजिंग करने वालों पर विशेष निगरानी रखते हुए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कानपुर: एसडीएम सदर द्वारा पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का किया गया निरीक्षण

» अधिकारियों को दिए निर्देश:नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल निरंतर उपलब्ध हो

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। एसडीएम सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह के नेतृत्व में जोनङ्क4 अंतर्गत जलकल विभाग की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता अनिल कुमार सहित जलकल विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस क्रम में जलकल कैंपस स्थित 280 एमएलडी क्षमता के फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया गया, जहां रॉ वाटर इनलेट, सेटलिंग टैंक तथा संपूर्ण जल शोधन प्रक्रिया की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई।

क्लोरीनेशन व्यवस्था की जांच में क्लोरीन की मात्रा सामान्य पाई गई।

निरीक्षण के उपरांत एसडीएम सदर द्वारा मलिन बस्ती, रामबाग का निरीक्षण किया गया। यहां जलकल विभाग द्वारा की जा रही पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता की मौके पर ही जांच कराई गई। बस्ती के चार अलग-अलग स्थानों से पेयजल के नमूने लेकर ओटी टेस्ट कराया गया, जिसमें सभी नमूनों में क्लोरीन अवशेष सामान्य पाया गया।

एसडीएम सदर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल की शुद्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो, जिससे आम नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल निरंतर उपलब्ध रहे। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार सदर विनय कुमार द्विवेदी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अधिवक्ता कल्याण दिवस के रूप में मनाई राम कृष्ण शर्मा की जयंती

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बार एसोसिएशन हाल में प्रख्यात समाजसेवी वरिष्ठ अधिवक्ता, प्रदेश में अधिवक्ता कल्याण की प्रथम योजना लागू कराने वाले स्मृति शेष पं रामकृष्ण शर्मा के जयंती समारोह में सर्व प्रथम महामंत्री कानपुर बार एसोसिएशन अमित सिंह ने माल्यार्पण करते हुए कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता राम कृष्ण शर्मा जीवन पर्यन्त अधिवक्ताओं की सामाजिक सुरक्षा के लिए संघर्षरत रहे।श्री शर्मा के जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि सन 1974 में हुई जब उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमवती नन्दन बहुगुणा से मिल प्रदेश में अधिवक्ता कल्याण की प्रथम अंतत: सफल हुआ और सरकार ने योजना की राशि बढ़ाकर रु 500000/(पांच लाख) की। जो दिवंगत अधिवक्ताओं के परिजनों को प्राप्त हो रही है

हम उनके आदर्शों पर चलकर अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों को आयुष्मान योजना से जुड़वाने और बुजुर्ग अधिवक्ताओं को पेंशन आदि को अधिवक्ता हित में लागू करा श्री शर्मा के सपने को पूरा करेंगे। यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन ने कहा कि शर्मा जी ने अपना सारा जीवन अधिवक्ता कल्याण और योजना अधिवक्ता सामूहिक बीमा योजना रु 5000 की लागू करवाई थी। जिसे बढ़वाने के लिए उनके पुत्र पं रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लॉयर्स एसोसिएशन ने वर्षों संघर्ष किया। संघर्ष अधिवक्ता गौरव को बढ़ाने में लगाया। उन्होंने अपने आदर्शों और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। उनके जन्म दिवस को हम अधिवक्ता कल्याण दिवस के रूप मे मनाते है।अन्त में सभी ने श्री शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रमुख रूप से रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लॉयर्स एसोसिएशन, सोमेंद्र शर्मा, अशोक पांडेय, गुलाम रब्बानी, सी के सर्राफ, राजेश द्विवेदी, अश्वनी, आनंद, आयुष शुक्ला, संजीव कपूर, शिवम गंगवार, इंद्रेश मिश्रा, वीर जोशी आदि रहे।

सर्दी में छाले व घाव को न करें नजरअंदाज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अगर सर्दी के मौसम में आप एक ही कपड़ा कई दिनों तक पहनते हैं तो ऐसे में सचेत होने की सख्त जरूरत है। क्योंकि इसकी वजह से न सिर्फ शरीर में दाने निकल सकते हैं, बल्कि त्वचा में दर्दनाक छाले व घाव तक हो सकते हैं। यह संक्रमण त्वचा की कोशिकाओं को बांधने वाले प्रोटीन पर हमला करने का काम कर रहे हैं। इसलिए सर्दी के मौसम में त्वचा पर दाने व खुजली को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में चर्म रोग विभाग की ओपीडी में नौ मरीज दुर्लभ पेम्फिगस बीमारी से ग्रस्त मिले, जिनमे मुंह, त्वचा, नाक, गले, आंखों और जननांगों पर छाले, खुजली व दर्द की समस्या देखी गई। खुजली करने पर यह समस्या और बढ़ी। कई जगह इलाज के बाद भी आराम नहीं मिला तो वह हैलट आए। यहां पर दुर्लभ पेम्फिगस बीमारी की आशंका पर डॉक्टरों ने जांच कराई तो जांच में बीमारी की पुष्टि हुई। चर्म रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देव शिवहरे के मुताबिक दुर्लभ पेम्फिगस एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से त्वचा और श्लेष्मा झिल्लियों (मुंह, नाक, जननांग) पर हमला करती है, जिससे दर्दनाक छाले और घाव हो जाते हैं, जो गंभीर हो सकते हैं। छाले काफी नाजुक होने की वजह से वह आसानी से फट जाते हैं और इस वजह से दर्दनाक घाव बने।

» इंदौर में दूषित पानी से मरने वालों का मामला

भागीरथपुरा में कांग्रेस-भाजपा कार्यकर्ता भिड़े, तीन थानों की पुलिस ने संभाली स्थिति

» बीपीएस न्यूज

इंदौर। इंदौर के भागीरथपुरा में कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता आमने-सामने हो गए। कांग्रेस नेता दूषित पानी पीने से मृत हुए लोगों के परिजनों से बस्ती में आए थे। वहां भाजपा कार्यकर्ता बस्ती वालों के साथ मिलकर काले झंडे दिखाने लगे और वापस जाओ-वापस जाओ के नारे लगाने लगे।

इसके बाद कांग्रेस नेता भी नारेबाजी करने लगे। विवाद की स्थिति बनने के बाद पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा और गुत्थमगुत्था हो रहे कार्यकर्ताओं को अलग-अलग किया। एक घंटे तक हंगामे के हालत बने। प्रदर्शनकारियों में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी, कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह

वर्मा विरोध के बीच कुछ परिजनों से मिले। पुलिस ने संभाला मोर्चाबाद में पुलिस जवानों ने सख्ती दिखाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बस्ती से रवाना किया। हंगामे की स्थिति को देखते हुए तीन थानों का पुलिस बल मौके पर आ गया था।

इंदौर जल संकट पर उदित राज का बीजेपी पर सीधा हमला, लोग मर रहे हैं, प्रधानमंत्री चुप हैं

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने शनिवार को इंदौर में दूषित पानी की घटना को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों पर निशाना साधते हुए शासन की विफलता का आरोप लगाया और इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया। एएनआई से बात करते हुए कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि लोग मर रहे हैं,

प्रधानमंत्री चुप हैं। दिल्ली प्रदूषण की चपेट में है, लोग फेफड़ों की बीमारियों से पीड़ित हैं और उनकी उम्र बढ़ती जा रही है। इंदौर की घटना में स्थिति ऐसी है कि वे स्वच्छ पेयजल तक उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। यही दो इंजन वाली सरकार की सच्चाई है। उनकी (भाजपा की) स्थिति हर जगह एक जैसी है। वे वास्तविकता पर आधारित सरकार नहीं चला रहे हैं। वे खुद को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, विश्वगुरु और डिजिटल इंडिया कहते हैं, लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है।

इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में पानी के दूषित होने से कई लोगों की जान चली गई और कई परिवार प्रभावित हुए। इस बीच, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पानी के दूषित होने के मामले में अधिकारियों की लापरवाही की निंदा की और घटना के बाद दो अधिकारियों को निलंबित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में जल प्रदूषण के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा, इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण हुई घटना में राज्य सरकार लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी। इस संबंध में सख्त कार्रवाई की जा रही है।उन्होंने आगे कहा कि नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त रोहित सिसोनिया और पीएचई के प्रभारी अधीक्षण अभियंता संजीव श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया गया है। इंदौर नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव को हटाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

संदेशखाली में टीएमसी कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने गई पुलिस, शेख शाहजहां के समर्थकों ने किया हमला

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने के बाद भीड़ द्वारा पुलिसकर्मियों पर हमला करने से छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि नाज़ात पुलिस स्टेशन की टीम टीएमसी कार्यकर्ता मूसा मोल्लाह को गिरफ्तार करने के लिए संदेशखाली ब्लॉक के बोयेरमारी गांव गई थी। पुलिसकर्मियों पर ग्रामीणों के एक समूह ने हमला किया और पुलिस वाहन को भी नुकसान पहुंचाया। एक पुलिस अधिकारी समेत छह घायल पुलिसकर्मियों को स्थानीय अस्पताल में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

ये पुलिसकर्मी उस समय घायल हुए जब कुछ ग्रामीणों ने मोल्लाह को उसके घर से उठाकर पुलिस वाहन में बिठाया था।

अधिकारी ने बताया कि मोल्लाह को इलाके में मत्स्यपालन के लिए जल स्रोतों पर जबरन कब्जा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

अतिरिक्त पुलिस बल भेजे जाने और भीड़ को खदेड़ने के बाद आखिरकार उसे पुलिस स्टेशन ले जाया जा सका। उसके अलावा, ग्राम पंचायत प्रधान समेत दो

स्थानीय टीएमसी नेताओं को भीड़ को उकसाने के आरोप में हिरासत में लिया गया। 5 जनवरी 2024 को, राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में स्थानीय टीएमसी नेता और जिला परिषद सदस्य शेख शाहजहाँ के आवास पर छापेमारी करने पहुंची ईडी की टीम पर हमला हुआ। शाहजहाँ को बाद में सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं।

घोष ने पूछा कि दो साल पहले ईडी अधिकारियों पर हुए हमले से लेकर अब राज्य पुलिस पर हुए हमले तक, पैटर्न एक जैसा ही है।

क्या राज्य पुलिस सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ खड़े होने और उचित कार्रवाई करने का साहस दिखाएगी?

टीएमसी प्रवक्ता अरूप चक्रवर्ती ने कहा पुलिस पर हमला निंदनीय है और पार्टी ऐसी गतिविधियों का समर्थन नहीं करती। पुलिस जो भी कार्रवाई करेगी, हमारा समर्थन रहेगा।

स्कूलों में मराठी ही अनिवार्य, कोई अन्य नहीं: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

» बीपीएस न्यूज

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य की स्कूली शिक्षा में मराठी भाषा ही एकमात्र अनिवार्य भाषा रहेगी। किसी अन्य भारतीय भाषा को अनिवार्य नहीं किया जाएगा। अन्य भाषाएं किस कक्षा से पढ़ाई जाएंगी, इस पर फैसला डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट आने के बाद लिया जाएगा। यह बात उन्होंने 99वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि मराठी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की पहचान और आत्मा है। इसलिए

इसकी अनिवार्यता बनी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार अन्य भारतीय भाषाओं के विरोध में नहीं है, लेकिन उन्हें अनिवार्य करने का कोई इरादा भी नहीं है। भाषा नीति को संतुलित और व्यावहारिक बनाने के लिए डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। समिति की रिपोर्ट अंतिम चरण में है और उसी के आधार पर आगे का निर्णय लिया जाएगा।मराठी साहित्य और संस्कृति पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने राज्यव्यवहार कोश के माध्यम से मराठी को प्रशासनिक भाषा का दर्जा दिया था। सरकार आज भी मराठी के संरक्षण और संवर्धन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा दिया जाना गर्व की बात है। साथ ही मराठी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना और रोजमर्रा के जीवन में मजबूत बनाना जरूरी है।

पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ शुरू हुआ माघ मेला, 19 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

» बीपीएस न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संगम तट पर पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ शनिवार से माघ मेले की शुरुआत हो गई। आज से शुरू होकर 44 दिनों तक चलने वाले माघ मेले के पहले दिन शनिवार को संगम में 19 लाख से ज्यादा लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई।

बीते साल प्रयागराज में हुए महाकुंभ में उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए इस बार माघ मेले में करीब 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई गई है। इसे ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सात सेक्टरों में फैले मेले में टेंट सिटी, पांटून पुल, विशेष यातायात व्यवस्था के साथ एटीएस और एनडीआरएफ की तैनाती की गई है।शनिवार को पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व पर सनातनी किन्नर अखाड़े ने भी अमृत स्नान किया। इस दौरान सनातनी किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्या नंद गिरी, जिन्हें टीना मां के नाम से भी जाना जाता है, ने अपने शिष्यों के साथ संगम

तट पर आस्था की डुबकी लगाई। पहली बार माघ मेले में सनातनी किन्नर अखाड़े ने अपना शिविर लगाया है, जिसे अखाड़े की नई पहचान और आस्था का प्रतीक माना जा रहा है। माघ मेले के प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा के अवसर पर सुबह 10 बजे तक करीब 9 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया, जो शाम तक बढ़कर 19 लाख से अधिक हो गया। देर रात तक श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला लगातार जारी रहा। मेला प्रशासन का अनुमान है कि रविवार तड़के तक 25 से 30 लाख श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगे।प्रयागराज की मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि श्रद्धालुओं से फीडबैक लिया गया है और सभी व्यवस्थाओं से संतुष्ट नजर आ रहे हैं। वहीं पौष पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने अयोध्या की सरयू नदी में भी पावन स्नान कर पूजा-अर्चना की। इस बार माघ मेले के दौरान कुल छह प्रमुख स्नान पर्व 3 जनवरी, 14 जनवरी, 18 जनवरी, 23 जनवरी, 1 फरवरी और 15 फरवरी को पड़ेंगे। पौष पूर्णिमा से कल्पवासियों का व्रत भी आरंभ हो गया है।

इल्तिजा मुफ्ती ने फलस्तीन झंडा लगाने वाले कश्मीरी क्रिकेटर का किया समर्थन, बोलीं- यहाँ हिंदुत्व नहीं चलने देंगे

» बीपीएस न्यूज

जम्मू कश्मीर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने उस क्रिकेटर फुरकान उल हक के समर्थन में बयान दिया है जो एक टूर्नामेंट के दौरान अपने हेलमेट पर फिलस्तीन का झंडा लगाने के कारण विवादों में घिर गया है। इल्तिजा ने कहा कि वहां (फलस्तीन) की स्थिति के बारे में बात करने में कुछ भी गलत नहीं है। हम आपको याद दिला दें कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शुक्रवार को कश्मीरी क्रिकेटर फुरकान उल हक के वीडियो और तस्वीरों के ऑनलाइन प्रसारित होने के बाद प्रारंभिक जांच के आदेश दिए, जिसमें उन्हें

फलस्तीनी ध्वज वाला हेलमेट पहने हुए देखा गया था। इस मुद्दे पर टिप्पणी करने के लिए पूछे जाने पर, इल्तिजा मुफ्ती ने कहा, हमें हर बात पर तलब किया जाता है। क्या हमें खुलकर बोलने की आजादी नहीं है? अगर हम फलस्तीन के बारे में बोलते हैं, तो इसमें क्या गलत है? इल्तिजा ने कई अन्य मुद्दों पर भी अपनी राय व्यक्त की।पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी ने संवाददाताओं से कहा, आप लंदन, यूरोप या अमेरिका को देखिए, वहां गाजा में लोगों के नरसंहार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन होते हैं, और एक पूरी पीढ़ी का सफाया हो रहा है। उन्होंने कहा, यहां लोगों को छोटी-छोटी बातों पर गिरफ्तार किया जा रहा है, यहां तक कि वीपीएन पर भी प्रतिबंध लगाया जा रहा है। कानून की आड़ में हर तरह की कार्रवाई की जा रही है। यहां अब कानून का राज नहीं रह गया है।

जब भाजपा द्वारा कथित तौर पर यह कहने के बारे में एक प्रश्न पूछा गया कि वह जम्मू-कश्मीर में हमास की विचारधारा को पनपने नहीं देगी, तो इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि भाजपा को केंद्र शासित प्रदेश में उनकी हिंदुत्व विचारधारा को थोपने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, हम यहां हिंदुत्व को बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर आप हमें 'जय श्री राम' या 'भारत माता की जय' का नारा लगाने के लिए मजबूर करेंगे, तो हम ऐसा नहीं करेंगे। हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में कश्मीरी छात्रों और शॉल विक्रेताओं पर हमले हो रहे हैं, लेकिन हम यहां आपके हिंदुत्व को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

इल्तिजा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाल ही में वायरल हुए वीडियो का जिक्र करते हुए पलटवार किया, जिसमें उन्हें एक समारोह के दौरान एक मुस्लिम महिला के चेहरे से नकाब खींचते हुए देखा गया था। इल्तिजा ने कहा, वे क्या कर रहे हैं? इनके सहयोगी महिलाओं के नकाब खींच रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के लोगों में व्याप्त निराशा का दावा करते हुए उन्होंने कहा, वीपीएन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, हमें खुलकर बोलने की आजादी नहीं है।

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बोले- माघ मेले से भाईचारा को बढ़ावा दें साधु-संत, समाज को तोड़ने की न करें बात

» बीपीएस न्यूज

बरेली। प्रयागराज के माघ मेले में साधु-संतों ने मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगाए जाने की मांग उठाई। इस पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने शनिवार को कड़ी प्रतिक्रिया दी। मौलाना ने कहा कि मेलों से इंसानियत का पैगाम जाता है। मानवता को बढ़ावा देते हैं। मगर एक अजीब तमाशा बन गया है। हर त्योहार या मेले के मौके पर साधु-संत ऐसी बात कहते हैं, जिससे देश में नफरत फैलती है। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि माघ मेले की शुरुआत हो चुकी है। उसमें

साधु-संतों ने बैठक कर कहा है कि मेले में मुसलमानों की एंट्री को बैन किया जाएगा। कोई भी मुसलमान इसमें शरीक नहीं होगा। यह सब बातें इंसानियत के खिलाफ हैं। इस तरह की बातें समाज को तोड़ती हैं। मौलाना ने कहा कि साधु-संत महजबी रहनुमा हैं। धर्म गुरु हैं। इनका काम है कि दिलों को जोड़ना। नफरत को खत्म करना। भाईचारा और मोहब्बत को बढ़ावा देना। मौलाना बरेलवी ने कहा कि ये लोग इस तरह की भाषा बोलते हैं कि जिससे नफरत बढ़ती है। मौलाना ने आगे कहा कि मैं तमाम साधु-संतों से गुजारिश करूंगा कि लोगों में प्यार-मोहब्बत बांटें।

कुत्ते ने काटा भैंस को, हुई मौत,. डर से 200 ग्रामीणों ने लगवाया रेबीज का टीका

बदायूं जिले के उझानी क्षेत्र में कुत्ते के काटने से एक भैंस की मौत होने की जानकारी सामने आने के बाद उसके दूध से बनी दही का रायता खाने वाले ग्रामीणों में दहशत फैल गई। आनन-फानन में करीब 200 ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर एहतियातन रेबीज का टीका लगवाया।ग्रामीणों के अनुसार, 23 दिसंबर को उझानी थाना क्षेत्र स्थित पिपरौल गांव में तेरहवीं संस्कार का आयोजन किया गया था, जिसमें पूरे गांव को दावत दी गई थी। दावत में रायता भी परोसा गया जिसे बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने खाया। बाद में जानकारी सामने आई कि जिस भैंस के दूध से जमायी दही का रायता तैयार किया गया था उसे कुछ दिन पहले एक कुत्ते ने काट लिया था।26 दिसंबर को उस भैंस की मौत हो गई जिसके बाद गांव में संक्रमण फैलने की आशंका को लेकर अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने बताया कि डर के माहौल में शनिवार और रविवार को पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं और युवा भी बड़ी संख्या में उझानी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और रेबीज का टीका लगवाया।बदायूं जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने बताया कि सूचना मिली थी कि गांव में एक भैंस को पागल कुत्ते ने काट लिया था और रेबीज के लक्षणों के कारण उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों द्वारा उस भैंस के दूध से जमायी दही का रायता खाने की बात सामने आई थी।एहतियात के तौर पर सभी को रेबीज का टीका लगवाने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि आमतौर पर दूध उबालने के बाद रेबीज की आशंका नहीं रहती, लेकिन किसी भी संभावित जोखिम से बचाव के लिए टीकाकरण किया गया है।

कैशलेस इलाज से 'नो हेलमेट-नो फ्यूल' तक योजनाओं की दी गई जानकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद कानपुर नगर के पतारा विकास खंड में सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा विषय पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया एआरटीओ प्रवर्तन कहकशां ने बताया कि संगोष्ठी में परिवहन विभाग के यात्री एवं मालकर अधिकारी, पंचायती राज विभाग के सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), होमगार्ड विभाग के आपदा मित्र, विभिन्न विभागों के अधिकारी, ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य तथा क्षेत्र के सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर यातायात नियमों के पालन पर विशेष जोर दिया गया।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों एवं सड़क सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। इसमें सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार सुविधा, हिट एंड रन प्रकरणों में सहायता, सोलेशियम स्कीम, राहवीर योजना तथा 'नो हेलमेटङ्कनो फ्यूल' अभियान के प्रावधानों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर जागरूकता पंपलेट का वितरण भी किया गया।

होमगार्ड विभाग के आपदा मित्र, परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों एवं अन्य विभागों के अधिकारियों ने हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, नशे की अवस्था में वाहन न चलाने, ओवरस्पीडिंग से बचने, ट्रैक्टर व मालवाहक वाहनों में सवारी न बैठाने तथा घने कोहरे के दौरान धीमी गति, रिफ्लेक्टिव टेप एवं लाइट के प्रयोग पर विस्तार से जानकारी दी।

संगोष्ठी के अंत में ग्राम प्रधानों से अपील की गई कि वे अपनी ग्राम सभाओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता फैलाएं और लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

» राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत पतारा में जागरूकता संगोष्ठी

सराफा कारोबारी से निवेश के नाम पर 56 लाख की ठगी, युवती ने दिया था मुनाफे का झांसा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सराफा कारोबारी नवीन पांडेय से निवेश के नाम पर 56 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। उन्होंने साइबर क्राइम ब्रांच थाने में एफआईआर कराई है। उनसे सोशल मीडिया के माध्यम से एक युवती ने निवेश कराया था। देहली सुजानपुर निवासी नवीन पांडेय ने पुलिस को बताया कि उन्होंने यह निवेश चार नवंबर से 12 दिसंबर तक किया था। साइबर क्राइम ब्रांच थाने के इंस्पेक्टर सतीश यादव ने बताया कि सराफा कारोबारी को युवती ने निवेश का झांसा दिया था। उनको एक ग्रुप में जोड़ लिया गया, जहां पर उनको मुनाफा दिखाया जाता रहा। उन्होंने जब रुपये वापस मांगे तो उनको अतिरिक्त रुपये डालने के लिए कहा गया। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने साइबर क्राइम थाने में तहरीर दी।

नववर्ष की सभी नगर वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

बाबा बड़े दयालू है — ओम नमः शिवायः — बाबा बड़े दयालू है

बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स

हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।

(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)

24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)

नववर्ष की सभी नगर वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

Jai Ambey Traders

ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com

7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401

Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

नववर्ष की सभी नगर वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर

महेंद्र पटेल
प्रबंधक

माधुरी पटेल
डायरेक्टर

पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें

9919772233 7985401046

पताः- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

अकाना होम डेवलपर्स लाया है अब आपके शहर कानपुर व उन्नाव में आसान व मासिक किस्तों पर

अकाना होम डेवलपर्स

आवासीय प्लाट

हमारी साईट :

- पाली
- सेन पश्चिम पारा
- मंझावन
- नौबस्ता आवास विकास
- रमईपुर
- जाजमऊ गंगापुर

पता- 34, सुभाष कॉम्पलेक्स, मधुलोक हॉस्पिटल चौराहा, नौबस्ता, कानपुर नगर

Mob. : 9000531538 9

Sahu Ji Maharaj Restaurant

Since:1992

राजसी ठाट देसी अंदाज़

638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर (निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)

M: 8303637506
9792526852

ऑफिस में बैठकर काम करने से बढ़ गया है पेट

» ऐसे करें कंट्रोल, नहीं तो पड़ सकता है पछताना

अगर आप ऑफिस या फील्ड में लंबे समय तक काम करने वाले वर्कर्स हैं, ऐसे में आप वजन को कम करना चाहते हैं, तो अब आप आसानी से वजन को कम कर सकते हैं। लगातार बैठे रहना, अनियमित भोजन और जंक फूड की आदतें वजन बढ़ाने के मुख्य कारण हैं। बायोमेड सेंट्रल के एक अध्ययन बताता है कि लोग सेडेंटरी काम करते हैं यानी ऑफिस में बैठकर काम करते हैं उनमें पेट की चर्बी होने की संभावना अधिक हो जाती है। अगर आप नियमित रुप से हेल्दी आदतें को अपनाएंगे तो वजन को कम करने बेहद आसान हो जाएगा। आइए आपको बताते हैं कैसे करें वजन को कम।

हेल्दी स्नैक्स को चूज करें

अगर लंबी ड्यूटी करते समय आपको भूख लगे तो आप भी जंक फूड का सेवन करते हैं, तो नट्स, फल, दही या ओट्स जैसे हेल्दी स्नैक्स लें। फिटनेस कोच ने बताया कि हेल्दी स्नैक्स लंबे समय तक पेट को भरा रखते हैं और शुगर क्रेविंग को कम करेंगे और कंट्रोल करेंगे। हेल्दी स्नैक्स का सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद मिलती हैं।

छोटे वर्कआउट्स करें

लॉन्ग टाइम वर्क के दौरान आप कम से कम 10-15 मिनट के छोटे वर्कआउट्स कर सकते हैं। यह स्ट्रेचिंग, स्कवैट्स, वॉक या हल्की कार्डियो एक्सरसाइज मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती है और कैलोरी बर्निंग प्रक्रिया को बढ़ाते हैं। इसलिए छोटे ब्रेक आपके लिए शरीर और दिमाग दोनों को रिफ्रेश करते हैं और लंबी जॉब के दौरान बैठकार काम करने से नुकसान को कम करते हैं।

पर्याप्त पानी पिएं

लंबी ड्यूटी के समय अक्सर लोग पानी पीना नज़रअंदाज कर देते हैं।

जबकि पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से भूख पर नियंत्रण रहता है, मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है और शरीर से विषैले तत्व बाहर निकलते हैं।

फिटनेस कोच के अनुसार, पानी और हर्बल टी जैसे हेल्दी पेय दिनभर शरीर में ऊर्जा बनाए रखते हैं और बार-बार स्नैक्स खाने की इच्छा को कम करने में मदद करते हैं।

माइंडफुल ईटिंग

लंबी शिफ्ट वाली नौकरी के दौरान अक्सर हम जल्दी में या कंप्यूटर और फोन के सामने खाते हैं। इस दौरान शरीर को यह कभी भी संकेत नहीं मिल पाता कि पेट भरा है। हर बाइट पर ध्यान देना जरुरी है, इसलिए धीरे-धीरे खाएं और भूख लगने पर ही स्नैक्स लें। इससे ओवरईटिंग कम होती है और कैलोरी कंट्रोल करने में मदद मिलती हैं।

नियमित ब्रेक लें

पूरे दिन बैठे रहने वाली नौकरी करने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है।

प्रत्येक 1-2 घंटे में 5 मिनट का छोटा ब्रेक जरुर लें। इसके अलावा, आप खड़े होकर हल्की स्ट्रेचिंग या थोड़ी वॉक जरुर करें।

ऐसा करने से कैलोरी बर्निंग प्रक्रिया बढ़ती है, साथ ही ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है और लंबे समय तक एनर्जी भी बनीं रहती है।

बढ़ जाता है हार्ट अटैक का खतरा शरीर के इन संकेतों को ना करें इग्नोर

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव दिल की बीमारियों का सबसे बड़ा कारण बन गया है। पहले माना जाता था कि हार्ट अटैक केवल बुजुर्गों को आता है, लेकिन अब युवाओं में भी इसके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हार्ट अटैक तब आता है जब हृदय की मांसपेशियों के एक हिस्से में ब्लड का सर्कुलेशन कम होने लग जाता है।

अक्सर शरीर हमें हार्ट अटैक आने से पहले कुछ संकेत देता है, जिन्हें हम सामान्य थकान या गैस समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। यही लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। आइए हम आपके इस लेख में विस्तार से हार्ट अटैक से पहले के संकेत के बारे में जानते हैं।

सीने में बेचैनी और दबाव

यह हार्ट अटैक का सबसे सामान्य लक्षण माना जाता है। इसमें सीने के बीचों-बीच भारीपन, जकड़न या दबाव महसूस होता है। यह दर्द कुछ मिनटों तक रह सकता है या रुक-रुक कर हो सकता है। इसे अक्सर लोग 'एसिडिटी' समझ लेते हैं, लेकिन अगर यह दबाव बना रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

शरीर के अन्य अंगों में दर्द होना

हार्ट अटैक का दर्द सिर्फ सीने तक सीमित नहीं रहता है। यह अक्सर आपके बाएं हाथ, कंधों, गर्दन, जबड़े या पीठ तक फैल सकता है। यदि आपको अचानक शरीर के ऊपरी हिस्से में बिना किसी कारण के दर्द महसूस हो, तो यह खतरे की घंटी हो सकती है।

सांस लेने में तकलीफ होना

अगर आपको बिना किसी भारी काम के सांस लेने में दिक्कत हो रही है या सीने में भारीपन के साथ सांस फूल रही है, तो इसे नजरअंदाज न करें। कई बार यह लक्षण सीने में दर्द होने से पहले भी दिखाई दे सकता है। इसलिए इन संकेतों को नजरअंदाज न करें।

ठंडा पसीना आना और चक्कर आना

बिना किसी मेहनत के अचानक आपको ठंडा पसीना आना हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है। इसके साथ ही अगर आपको चक्कर आ रहे हों या सिर हल्का महसूस हो रहा हो, तो यह संकेत है कि आपके दिल तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पा रही है। इसलिए इस नजरअंदाज न करें।

ज्यादा थकान और कमजोरी महसूस होना

कई दिनों तक बिना वजह बहुत ज्यादा थकान महसूस होना, खासकर महिलाओं में, हार्ट अटैक का शुरुआती लक्षण हो सकता है। अगर आपको रोजमर्रा के छोटे काम करने में भी बहुत ज्यादा मेहनत लग रही है, तो अपना चेकअप जरूर कराएं।

हार्ट अटैक के खतरे से बचने के लिए करें ये काम

आप दिन में कम से कम 30 मिनट पैदल चलें या योग करें।

तेल-मसाले और बाहर के जंक फूड से दूरी बनाएं।

फल और हरी सब्जियों को डाइट में शामिल करें।

स्ट्रेस को कम करने के लिए पर्याप्त नींद लें और मेडिटेशन का सहारा लें।

यदि आपकी उम्र 30 से अधिक है, तो समय-समय पर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की जांच कराते रहें। इससे आपको पता चल जाएगा।

कोशिश करें कि डॉक्टर से अपना डाइट का चार्ट मांग लें और उसी हिसाब से खाना खाएं।

स्वादिष्ट दिखने वाला जंक फूड दे रहा मोटापे और उससे जुड़ी बीमारियों को दावत

आज के समय में हमारी दिनचर्या में सुविधाजनक और स्वादिष्ट दिखने वाला जंक फूड तेजी से जगह बना चुका है। खासकर दिल्ली जैसे बड़े शहरों में जंक फूड की खपत काफी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में अब यह एक गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुकी है। नमकीन, नूडल्स, चिप्स, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक और ब्रेकफास्ट सीरियल जैसी पैकेट बंद चीजें न सिर्फ बच्चों बल्कि युवाओं की पहली पसंद बन गई है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनके पीछे छिपे खतरे बेहद गहरे होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जंक फूड के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में बताने जा रहे हैं।

करीब पिछले 15 सालों में भारत में पैक्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स की बिक्री काफी ज्यादा बढ़ गई है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक इस साल इन उत्पादों का मार्केट 50 बिलियन डॉलर के करीब पहुंच सकता है। यह तेज बढ़ोतरी एक्सपर्ट्स के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। क्योंकि इसका सीधा संबंध बढ़ते मोटापे और उससे जुड़ी बीमारियों से है।जंक फूड में पोषण का संतुलन गायब होता है। जंक फूड में फाइबर, विटामिन या प्राकृतिक तत्वों की जगह नमक, चीनी, तेल और आर्टिफिशियल रंग होते हैं। यही कारण है कि इनको खाने के बाद पेट भर जाता है, लेकिन हमारे शरीर को जरूरी ऊर्जा नहीं मिल पाती है। वहीं हमें ऐसी चीजें बार-बार खाने की आदत डाल देती हैं। यह आदत धीरे-धीरे हार्मोनल असंतुलन, मोटापा और सेहत से जुड़ी अन्य समस्याओं को जन्म देती है।

बता दें कि देश में मोटापे की स्थिति चिंताजनक है। आंकड़ों के मुताबिक पुरुषों में मोटापे 12त्न से बढ़कर 23त्न तक पहुंच गया है। वहीं महिलाओं में यह 15त्न से बढ़कर 24त्न पहुंच चुका है। यानी की कुछ ही सालों में दोनों ही श्रेणियों में मोटापा करीब दोगुना बढ़ा है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह बढ़ोत्तरी उतनी ही खतरनाक है, जितना कि प्रदूषण से फेफड़ों पर पड़ने वाली मार खतरनाक है।

अब नहीं संभले तो कब संभलेइन सभी बातों से साफ है कि जंक फूड का बढ़ता मार्केट सिर्फ स्वाद का मामला नहीं बल्कि एक व्यापक स्वास्थ्य चुनौती बन गया है। जरूरी है कि लोग जागरुक हों, घर में स्वास्थ्यवर्धक ऑप्शन को प्राथमिकता दें और बच्चों में सही खानपान की आदतों को विकसित करना चाहिए। अगर अभी यह कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले सालों में मोटापा और इससे जुड़ी बीमारियां ज्यादा तेजी से बढ़ सकती हैं।

सदाबहार अभिनेता धर्मेंद्र की फिल्म 'इक्कीस' की स्पेशल स्क्रीन संपन्न.!

स्क्रीन पर जहां भी धर्मेंद्र नजर आए,.., आंखों में आँसू लाए.!

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक श्रीराम राघवन की फिल्म 'इक्कीस' 1 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। 'इक्कीस' भारतीय सेना के जांबाज अफसर सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के असाधारण जीवन पर आधारित एक बायोग्राफिकल वॉर ड्रामा है। यह फिल्म उस भारतीय वीर सैनिक की कहानी कहती है, जिन्हें 1971 के भारत-पाक युद्ध में अद्भुत साहस दिखाने के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। खास बात यह है कि अरुण खेत्रपाल भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता थे। इस फिल्म के रिलीज के पूर्व 'इक्कीस' का स्पेशल स्क्रीनिंग का आयोजन अंधेरी (पूर्व) स्थित पी वी आर आइकन में स्व धर्मेंद्र के पुत्र सनी देओल और बॉबी देओल के द्वारा संयुक्तरूप से किया गया। इस फिल्म के स्पेशल स्क्रीनिंग के क्रम में मैने देखा जब जब धर्मेंद्र स्क्रीन पर नजर आएज्ज., आंखों में आँसू लाएज!, धर्मेंद्र के सभी फैंस को ये फिल्म अवश्य देखनी चाहिए।धर्मेन्द्र ने ये साबित कर दिया कि धर्मेंद्रज्धर्मेंद्र हैं। फिल्म के अन्य शेष कलाकारों का अभिनय सामान्य स्तर का लगा। इस फिल्म में महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं और अभिनेता अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया ने भी इस फिल्म से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया है। स्क्रीन पर उनको देखकर साफ जाहिर होता है कि भविष्य के लिए दोनों को काफी मेहनत करनी होगी। इसमें कोई शक नहीं है कि दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र का अभिनय, सिनेप्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करने में कामयाब साबित होगा। देओल परिवार ने धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि देते हुए 'इक्कीस' की स्पेशल स्क्रीनिंग का आयोजन किया किया, जहां रेखा भी पहुंचीं। वहीं बॉलीवुड के कई नामचीन शख्सियतों के अलावा सलमान खान भी फिल्म की स्क्रीनिंग पर नजर आए।

प्रस्तुति- काली दास पाण्डेय

महाठग सोनी का कनेक्शन क्रिप्टो करेंसी घोटाले के आरोपी से जुड़ा

» कॉल डिटेल से खुले राज,चल रही है जांच

» ईडी के अधिकारियों से भी चल रही बातचीत

» अपंजीकृत डिजिटल मुद्रा बनाकर निवेशकों से ठगी करने का आरोप

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर पुलिस की जांच में रविंद्रनाथ सोनी और क्रिप्टो घोटालेबाज अमित लखनपाल के बीच बातचीत के सबूत मिले हैं। सिंडिकेट ने 12 कंपनियों के जरिए दुबई और जापान समेत कई देशों में ठगी की, जिसकी जांच अब सीबीआई और ईडी के हवाले है।कई देशों के 1500 से अधिक लोगों से ठगी करने के आरोपी रविंद्रनाथ सोनी का कनेक्शन क्रिप्टो करेंसी घोटाले के आरोपी अमित लखनपाल से जुड़ रहा है। उसकी कॉल डिटेल में अमित लखनपाल का मोबाइल नंबर मिला है। कमिश्नरी पुलिस की एसआईटी कनेक्शन को और गहराई से जांचने में जुट गई है। ईडी के बाद सीबीआई को भी ब्लूचिप व अन्य कंपनियों के नाम से हुई ठगी की पूरी रिपोर्ट दे दी गई है।

कोतवाली पुलिस ने 42.29 लाख रुपये की ठगी में दिल्ली के मालवीयनगर के रविंद्रनाथ सोनी को देहरादून से गिरफ्तार किया था। उसकी छह दिन की रिमांड ली गई जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। आरोपियों ने ब्लूचिप समेत 12 अन्य कंपनियां खोलकर भारत, दुबई, मलेशिया, नेपाल, जापान समेत कई देशों को निवेश के नाम पर ठगा था। रविंद्रनाथ सोनी की गिरफ्तारी के बाद कमिश्नरी पुलिस के पास शिकायतों की लाइन लग गई।ईमेल और व्हाट्सएप से कई शिकायतें आईं। अब तक कोतवाली पुलिस छह जीरो समेत 24 एफआईआर दर्ज कर चुकी है। रविंद्रनाथ सोनी के तार कई अभिनेताओं और खिलाड़ियों से भी जुड़े थे। उसने कंपनी के प्रमोशन के लिए कई अभिनेताओं को बुलाया था। एसआईटी सूत्रों के मुताबिक रविंद्रनाथ सोनी की कॉल डिटेल की जानकारी करने पर उसकी बातचीत अमित लखनपाल से भी हुई थी।अमित पर अपंजीकृत डिजिटल मुद्रा बनाकर निवेशकों से ठगी करने का आरोप है। उसके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई इंटरपोल की मदद से सिल्वर नोटिस जारी करा चुका है। एडीसीपी पूर्वी अंजलि विश्वकर्मा ने बताया कि रविंद्रनाथ सोनी की कॉल डिटेल में अमित लखनपाल का नंबर भी मिला है। दोनों के बीच कई बार बातचीत हुई हैं। रविंद्रनाथ सोनी भी डिजिटल करेंसी की स्कीम लेकर आया था। दोनों के बीच कनेक्शन खंगाला जा रहा है। ईडी के अधिकारियों से भी बातचीत चल रही है।

भीषड़ सर्दी में सर्व वैश्य समाज द्वारा जरूरतमंद नागरिकों को किया गया कंबल वितरण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। छावनी विधान सभा क्षेत्र के बाबा हरदेव मंदिर प्रांगण में क्षेत्र के जरूरत मंद 180 नागरिकों को कंबल वितरण किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं नमों नमों मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ वीके साहू के करकमलों द्वारा कंबल वितरण किया गया।

डॉ वीके साहू ने कार्यक्रम आयोजकों को धन्यवाद एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस तरह के पुण्य कार्य हम सब को मिलकर करते रहना चाहिए। जिससे समाज के ग़रीब और ज़रूरतमंद लोगों की मदद होती रहे। उन्होंने कहा चुनाव आयोग द्वारा जारी स्ढक्रके तहत सभी मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाये और छूटे हुए मतदाताओं के नाम अपने ड्ढद्य१ के माध्यम से वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करवाये। डॉ साहू ने लोगों को जागरूक रहने और अपने बच्चों को शिक्षित करने पर बल दिया।

कार्यक्रम में संयोजक प्रदीप गुप्ता ,डॉ विनोद गुप्ता, सतीश साहू, अशोक साहू, रतन गुप्ता, विजय नेता, आलोक गुप्ता, रत्नेश शर्मा, सोनू साहू, रतन गुप्ता, राकेश तिवारी, एससीएसटी आयोग के सदस्य रमेश कुंडे, सुभाष चंद्र साहू, सुशील कुमार आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

75 वें जन्मदिन पर प्रधान काजल किरण ने कराया पुलिस चौकी सेन पश्चिम पारा का निर्माण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। काजल किरण ने अपने 75 वें जन्मदिन पर कानपुर कमिश्नरेट की चौकी कस्बा सेन पश्चिम पारा का नवनिर्माण करा जनता को समर्पित किया। चौकी के नवनिर्मित भवन का शुभारंभ डीसीपी दीपेन्द्र नाथ चौधरी, एसीपी घाटमपुर के संग ग्राम प्रधान काजल किरण ने फीता काटकर किया। इस दौरान थाना प्रभारी प्रदीप सिंह, चौकी प्रभारी शिववीर सिंह, हेड कांस्टेबल सुरेश चंद्र ने प्रधान काजल किरण के द्वारा कराए गए कार्यों की सराहना की। इस मौके पर मो कमरुद्दीन ने बताया कि विगत वर्षों से पुलिस चौकी की समस्या को देखते हुए स्थानीय प्रधान काजल किरण ने अपने खर्च से पुलिस चौकी का निर्माण कराकर जनता को समर्पित किया।जन्मदिन पर प्रधान काजल किरण ने क्षेत्र की 28 सड़कों का भूमि पूजन किया। वहीं जीतू मिश्रा ने बताया कि प्रधान काजल किरण के जन्मोत्सव पर नगर समेत उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए भजन गायकों ने अपने भजनों से भजन संध्या में आए लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जन्मोत्सव पर आयोजित विशाल भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं दूसरी ओर व्यापारियों ग्रामीणों सहित समर्थकों ने बड़ी संख्या में पहुंच प्रधान काजल किरण के जन्मदिन पर केक काट दीर्घायु होने की प्रार्थना की।

ऑटो सवार फैक्टरी कर्मी की जैकेट डंपर में फंसी, सड़क पर घिसटकर मौत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिधनू थाना क्षेत्र में कानपुर-सागर हाईवे पर हड़हा के पास चचेरे भाई की तेरहवीं में शामिल होने ऑटो से जा रहा फैक्टरी कर्मी की जैकेट सटकर निकले डंपर में फंस गई। इससे वह करीब 10 मीटर तक डंपर के साथ ही सड़क पर घिसटते चले गए जिससे उनकी मौत हो गई।भदरस गांव निवासी शिवदयाल उर्फ छोटेलाल (55) रनिया स्थित प्लास्टिक दाना फैक्टरी में काम करते थे। परिवार में पत्नी मनोरमा, दो बच्चे विवेक व मान्या हैं। बड़े भाई रामदयाल ने बताया कि शनिवार को चचेरे भाई शिवनंदन की गांव में तेरहवीं थी। इसमें शामिल होने शुक्रवार शाम शिवदयाल ऑटो से गांव आ रहे थे। हड़हा के पास तेज रफ्तार ऑटो में आगे बैठे शिवदयाल के बगल से निकले डंपर में उनकी जैकेट फंसने से हादसा हो गया। राहगीरों के शोर मचाने पर चालक डंपर लेकर भाग निकला। बिधनू थाना प्रभारी तेजबहादुर सिंह ने बताया कि जांच में ऑटो चालक की गलती पता चली है। परिजन तहरीर देते हैं तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।वहीं, बिठूर में बीते रविवार को ई-रिक्शा की टक्कर से घायल अधेड़ की जान चली गई। उन्नाव के परियर बाबूबंगला निवासी हरीशंकर (50) बिठूर में एक निर्माणाधीन साइट पर मजदूरी करने आए थे।

कृषि विश्व विद्यालय में खूनी संघर्ष

मामूली विवाद में गार्ड ने साथी को मारी गोली मौत, आरोपी की तलाश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिल्हौर के निर्माणाधीन कृषि विश्वविद्यालय में गार्ड ने मामूली विवाद के बाद साथी गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।कानपुर के बिल्हौर कस्बे में गंगा तट किनारे स्थित गदनपुर आहार गांव में एक निर्माणधीन कृषि विश्वविद्यालय में सुरक्षा कर्मी के रूप में तैनात दो गार्डो में कहासुनी के बाद झगड़ा हो गया। शुक्रवार रात करीब एक बजे हुए विवाद के दौरान एक गार्ड ने दूसरे गार्ड को अपने लाइसेंसी बंदूक से गोली मार दी। इससे दूसरे गार्ड की मौके पर मौत हो गई। गोली की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे अन्य गार्डों ने जैसे तैसे मामले की सूचना पुलिस को दी।पुलिस जब तक मौके पर पहुंचती आरोपी गार्ड मौके से भाग गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि औरंगपुर साभी गांव निवासी अनुभव द्विवेदी और निर्मल सिंह (30) क्षेत्र के गदनपुर आहार गांव स्थित एक निर्माणधीन कृषि विश्वविद्यालय में सुरक्षाकर्मी के रूप में तैनात थे। शुक्रवार रात करीब एक बजे दोनों में विवाद हो गया।इसके बाद अनुभव ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से निर्मल सिंह के सीने पर फायर कर दिया। गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर तैनात एक अन्य गार्ड श्याम जी ने मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं, गोली मारने वाले अनुभव मौके से फरार हो गया। मृतक निर्मल सिंह के भाई रोहित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी की धर पड़कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस आयुक्त ने गंगा बैराज क्षेत्र में अधिकारियों एवं पुलिस बल के साथ किया पैदल गश्त

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जन-सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त द्वारा थाना कोहना क्षेत्रान्तर्गत गंगा बैराज में अधिकारियों एवं पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की गई। गश्त के दौरान मार्ग पर स्थित मैगी प्वाइंट्स सहित अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस आयुक्त ने दुकानदारों एवं संचालकों से संवाद कर उन्हें स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि किसी भी सार्वजनिक स्थान पर मदिरा अथवा अन्य मादक पदार्थों का सेवन पूर्णत: प्रतिबंधित है।

अगर ऐसा करता कोई पाया गया तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि यदि किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, असामाजिक तत्वों की मौजूदगी अथवा कानून-विरोधी कृत्य की जानकारी प्राप्त होती है, तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। पुलिस आयुक्त द्वारा आमजन व व्यापारियों से पुलिस का सहयोग करने, सतर्क रहने एवं क्षेत्र में शांति व सुरक्षा बनाए रखने की अपील की गई।

समीक्षा बैठक में निदेशक प्रसार ने दिए कड़े निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की प्रसार निदेशालय में बुधवार को निदेशक प्रसार डॉ. आर के यादव की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों की गहन समीक्षा बैठक हुई, जिसमें उन्होंने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के अध्यक्षों एवं संबंधित वैज्ञानिकों को सख्त निर्देश दिए कि रबी में केंद्र के प्रक्षेत्रों पर बीजोत्पादन भलीभांति तथा किसानों के प्रक्षेत्रों पर कराए जाने वाले परीक्षण व प्रदर्शनों को समय से नवीन तकनीकों के साथ हों।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रत्येक वैज्ञानिक कम से कम केंद्र पर एक इकाई की स्थापना अवश्य करें। जो किसानों के लिए उपयोगी हो तथा उनको लाभप्रद भी बनाए।

उन्होने जोर देकर कहा कि केंद्रों पर चलने वाले फसल अवशेष प्रबंधन, निकरा, एससीएसपी तथा आरकेबीवाई जैसी परियोजनाएं केंद्र सरकार के द्वारा संचालित हैं। उनके कार्यों को समय से क्रियान्वित किया जाए। इन सभी कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता के लिए संबंधित अध्यक्ष व वैज्ञानिक जिम्मेदार होंगे। इस बैठक में डॉक्टर पी के राठी, डॉ. वी के कनौजिया, डॉक्टर विनोद प्रकाश, डॉ. भूपेंद्र कुमार सिंह,डॉ. एस के विश्वकर्मा,एवं डॉ. एम के सिंह सहित समस्त केंद्रों के अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।